सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन गिल ने रचा नया इतिहास, टूटा सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड.... -पेज: 7

दमदार, खूबसूरत और बोल्ड, नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से आई हुमा.... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 113 | शुक्रवार 01 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'भारत और रूस अपनी इकोनॉमी डुबा लें...मुझे फर्क नहीं पड़ता', ट्रेड डील पर भारत अडिग तो तीखी बयानबाजी पर उतरे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय आयात पर एक अगस्त, 2025 से 25 फीसद का शुल्क और इसके साथ पेनल्टी देने की घोषणा के बाद भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुप नहीं बैठे हैं बल्कि पिछले 24 घंटों में भारत व रूस के संबंधों को लेकर भारतीय इकोनॉमी को लेकर ना सिर्फ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं बल्कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान कार्ड खेलने के संकेत भी दिये हैं। ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ कारोबारी समझौता करने का दम भरा है और वहां अमेरिकी तेल फील्डों से निकालकर तेल को भारत को बेचने की बात कही है। भारत सरकार की तरफ से ट्रंप की ओर से एक के बाद एक की गई इन टिप्पणियों को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन जानकारों का कहना है कि ट्रेड समझौते पर भारत ने जिस तरह से अमेरिकी दबाव में झुकने से साफ इनकार कर दिया है, इससे राष्ट्रपति ट्रंप खुश नहीं है। उनका बयान इसी का नतीजा है। 'पाकिस्तान में तेल भंडारों को विकसित करेंगे'राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है, हमने पाकिस्तान

उनसे यह देश यह पूछना चाहता है कि आप किसका साथ दे रहे हैं? देश का या उस विचारधारा का जो हर बार भारत को भीतर से तोड़ने की कोशिश करती है? हमारी सेना के पराक्रम को बल्कि ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा बताए....

के साथ समझौते को अंतिम रूप दे दिया है, जहां पाकिस्तान और अमेरिका बड़े तेल भंडारों को विकसित करेंगे। हम उस तेल कंपनी का चयन करने जा रहे हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है कि, वह एक दिन भारत को भी तेल की बिक्री करने लगे।भारत और पाकिस्तान के बीच अभी किसी तरह का कारोबार नहीं होता, भारत का शीर्ष नेतृत्व लगातार पाक पोषित आतंकवादी गतिविधियों का मुद्दा उठा रहा है, इस बारे में पूरी जानकारी के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि वह पाकिस्तान के साथ संबंधों को आगे बढ़ाएंगे। बहरहाल, उनकी इस घोषणा के कुछ ही देर बाद वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास की तरफ से यह बयान जारी किया गया है, बुधवार को वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक, यूएसए के कारोबार प्रतिनिधि राजदूत जैमिसन ग्रीयर के बीच हुई बैठक में कारोबारी समझौते को अंतिम रूप दिया गया। यह समझौता दोनों देशों के बीच कारोबारी संबंधों के नये दौर की शुरूआत है। इससे पाकिस्तान के इन्फ्रास्ट्रक्चर व विकास परियोजनाओं में अमेरिकी निवेश बढ़ेगा। दोनों देश आपसी कारोबारी संबंधों को बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत के इकोनॉमी को लेकर ट्रंप का बड़बोलापन भारतीय सरकार को असहज करने के लिए ट्रंप की बयानबाजी यहीं खत्म नहीं हुई। इसके कुछ ही देर बाद सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर भारतीय इकोनॉमी के डूब जाने की भविष्यवाणी कर दी। ट्रंप ने लिखा, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वो अपनी मृत अर्थव्यवस्था को एक साथ डूबा सकते है, मुझे इसकी कोई चिंता नहीं। हमने भारत के साथ बहुत ही कम कारोबार किया है। उनकी टैरिफ (सीमा शुल्क) बहुत ज्यादा है। इसी तरह से रूस और अमेरिका के बीच कोई कारोबार नहीं होता। इसे इसी तरह से रहने दिया जाए। इस टिप्पणी की भाषा निश्चित तौर पर वैसी ही है जैसी राष्ट्रपति ट्रंप की होती है लेकिन इससे साफ है कि वह भारत के साथ कारोबारी व रणनीतिक संबंधों का कोई लिहाज नहीं कर रहे। भारत की अर्थव्यवस्था अभी दुनिया के प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी है। विश्व बैंक, आइएमएफ, संयुक्त राष्ट्र, एडीबी समेत दुनिया की तमाम एजेंसियां वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर के 6.4 से 6.8 फीसद के बीच रहने का अनुमान लगा रही हैं।

'घरेलू उद्योगों की करेंगे सुरक्षा, राष्ट्रहित से समझौता नहीं'; ट्रंप के टैरिफ पर पीयूष गोयल का संसद में जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और रूस से तेल खरीदने की वजह से पेनल्टी का ऐलान कर दुनिया को चौंका दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के एलान के बाद भारत ने दो टूक कहा है कि हम देशहित से हम कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं, टैरिफ को लेकर अमेरिका के इस फैसले के बाद राज्यसभा में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में जवाब दिया। पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार की बात चल रही है। हमारे निर्यात में लगातार वृद्धि चल रही है। हम अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आयात पर 10-15 प्रतिशत टैरिफ की बात हुई थी। देश की हित की दिशा में हम कदम उठाएंगे। वैश्विक विकास में भारत का योगदान 16 प्रतिशत है। भारत आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है। दोनों पक्षों में चार दौर की बातचीत हो चुकी है।

केजरीवाल खुद सेंटर में आ गए और मुझे साइडलाइन कर दिया, भगवंत मान को लेकर रेखा गुप्ता ने किया होश उड़ाने वाला दावा

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए दावा किया कि पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान को दरकिनार किया जा रहा है और उन्हें कामकाज चलाने की पूरी आजादी नहीं दी जा रही है। इंडिया टुडे वुमन समिट 2025 में बोलते हुए, गुप्ता ने कहा कि मान नशे की समस्या को खत्म करने और राज्य के कर्ज को कम करने की दिशा में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें पूरे अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार पर आप नेताओं का प्रभावी नियंत्रण है, जिन्हें दिल्ली के मतदाताओं ने नकार दिया है। भगवंत मान को बोलने नहीं दिया जा रहा है। हाल ही में मुख्यमंत्रियों की एक बैठक के दौरान मेरी उनसे मुलाकात हुई। वे

भगवंत मान को बोलने नहीं दिया जा रहा है। हाल ही में मुख्यमंत्रियों की एक बैठक के दौरान मेरी उनसे मुलाकात हुई। वे बहुत नाराज थे।

बहुत नाराज थे। गुप्ता ने चुटकी लेते हुए कहा उन्होंने मुझसे कहा कि एक महिला होने के बावजूद, दिल्ली को चलाने का पूरा अधिकार आपके पास है। लेकिन पंजाब में केजरीवाल केंद्र में हैं और मुझे किनारे कर दिया गया है। जब इस मामले पर उनसे पूछा गया कि क्या मान ने उन्हें आधिकारिक तौर पर यह बात बताई है, तो उन्होंने कहा कि कुछ बातें बिना कहे भी समझ में आ जाती हैं। वह पंजाब के लिए काम करना चाहते हैं। लेकिन वह ऐसा कर नहीं पा रहे हैं। केजरीवाल पर दिल्ली की जनता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए गुप्ता ने कहा कि आप के 10 साल के शासन के दौरान कई सार्वजनिक कार्यों की उपेक्षा की गई। जब मैं केजरीवाल से मिलूँगा, तो पूछूँगा कि उन्होंने दिल्ली के लिए काम क्यों नहीं किया और लोगों को धोखा क्यों दिया। अब वो शोर मचा रहे हैं। केजरीवाल ने जनता के पैसे से शीशमहल बनवाया। मैं वहाँ रह सकता था, लेकिन नहीं रहा। मैं लोगों के बीच रहता और काम करता हूँ। मेरे घर का नाम जन सेवा सदन है।

'कांग्रेस का सनातन विरोधी चरित्र हुआ उजागर', मालेगांव विस्फोट केस के फैसले : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी किए जाने को लेकर गुरुवार को कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि यह फैसला पार्टी के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को उजागर करता है। योगी ने एक्स पर लिखा कि मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उद्घोषणा है। योगी आदित्यनाथ ने आगे लिखा कि यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित

करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने कल सदन में भी कहा कि दर्शनशास्त्र के अनुसार हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकते क्योंकि हमारी संस्कृति और हमारी सभ्यता कभी भी आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देती। लेकिन कांग्रेस के शासन में एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए एक शब्द गढ़ा गया- 'हिंदू आतंकवाद'। भाजपा नेता ने कहा कि हिंदू और आतंक दो विपरीत अवधारणाएँ हैं। हिंदू कभी आतंक में विश्वास नहीं करते और हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। मेरे लिए - यह अत्यंत संतोष की बात है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संसद में जो कुछ भी कहा, आज मुंबई की एक अदालत ने भी हिंदू आतंक की अवधारणा को ध्वस्त कर दिया और जो भी 'हिंदू आतंक' के नाम पर आरोपी थे, सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। कांग्रेस ने भगवा आतंक की साजिश रची और उसे फैलाना शुरू कर दिया... अदालत ने पाया कि मोटरसाइकिल का कोई सबूत या चेसिस नंबर नहीं था। गवाहों ने भी कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया गया और बयान देने के लिए मजबूर किया गया। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि चिदंबरम केवल पाकिस्तान को प्रमाण पत्र नहीं देते।

साध्वी प्रज्ञा को मिली क्लीनचीट तो बदले दिग्विजय सिंह के सुर, 'हिंदू आतंकवाद' पर अब क्या बोले?

नई दिल्ली (एजेंसी): पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा को मालेगांव ब्लास्ट में बरी हो गई हैं। इसी ब्लास्ट के बाद देश में हिंदू आतंकवाद की काफी चर्चा हुई थी। वहीं,मानसून सत्र के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा को संबोधित किया। ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव पर उन्होंने सरकार का पक्ष रखा। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय के लोग कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। साध्वी प्रज्ञा को मालेगांव ब्लास्ट में बरी किए जाने के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सुर बदल चुके हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ना आतंकवाद होता है और ना ही मुसलमान आतंकवादी होता है। कुछ लोग धर्म को नफरत का हथियार बनाते हैं: दिग्विजय सिंह उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म को आतंकवाद से

जोड़ना ठीक नहीं है। हर धर्म प्रेम, अहिंसा, सद्भाव का प्रतीक होते हैं। ना आतंकवादी हिंदू हो सकता है ना मुसलमान। कुछ ही लोग होते हैं जोकि धर्म को नफरत की तरह हथियार बनाते हैं। उन्होंने सफाई देते हुए ये भी कहा कि मैंने भगवा आतंकवाद नहीं संघी आतंकवाद कहा था। बता दें कि साल 2018 में सामाजिक कार्यकर्ता गौरी लंकेश की हत्या के बाद दिग्विजय सिंह ने कहा था कि जितने भी लोग इस मामले में पकड़े गए हैं, वो हिंदू धर्म वाले आतंकवादी पकड़े हैं। सभी संघ के कार्यकर्ता रहे हैं। दरअसल, 2018 में भाजपा नेता ने आरोप लगाया है कि मालेगांव ब्लास्ट के बाद गलत तरीके से साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित जैसे लोगों को फंसाया गया और हिंदू आतंकवाद और भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़े गए।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी, 17 साल बाद एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी): मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने आज बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में साध्वी प्रज्ञा ठा समेत सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया है। एनआईए अदालत के जज ने फैसले को पढ़ते हुए कहा, अभियोजन पक्ष ने यह तो साबित कर दिया कि मालेगांव में विस्फोट हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं कर पाया कि उस मोटरसाइकिल में बम रखा गया था। अदालत इस नतीजे पर पहुंची है कि घायलों की उम्र 101 नहीं, बल्कि 95 साल थी और कुछ मेडिकल सर्टिफिकेट में हेराफेरी की गई थी। कोर्ट ने फैसले में क्या-क्या कहा? कोर्ट ने फैसले में कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। पंचनामा करते समय जांच अधिकारी ने घटनास्थल का कोई रूपरेखा नहीं बनाई। घटनास्थल से कोई फिंगरप्रिंट, डंप डेटा या अन्य कोई जानकारी इकट्ठा नहीं की गई। अदालत ने कहा, इस

मामले में यूएपीए लागू नहीं किया जाएगा क्योंकि नियमों के अनुसार अनुमति नहीं ली गई थी। इस मामले में यूएपीए के दोनों अनुमति आदेश दोषपूर्ण हैं। विस्फोट में हुई थी छह की मौत 29 सितंबर 2008 को लोग रमजान का महीना व नवरात्रि के त्योहार में बिजी थे। रात करीब 9 बजकर 35 मिनट पर मालेगांव के भीखू चौक पर बम ब्लास्ट हुआ। चारों तरफ धुआं और लोगों की चीखों की आवाज सुनाई देनी लगी। 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। 100 अधिक लोग घायल हो गए थे। नासिक जिले का मालेगांव मुस्लिम बहुत है। कोर्ट ने 19 अप्रैल को सुरक्षित रखा था आदेश अदालत ने 17 साल लंबी चली सुनावाई के बाद 19 अप्रैल को सभी सात आरोपियों के खिलाफ फैसला सुरक्षित रख लिया था। 8 मई फैसला सुनाने की तिथि तय की गई थी। सभी आरोपियों को इस दिन पेश होने का आदेश दिया गया था, लेकिन फिर कोर्ट ने 31 जुलाई फैसला सुनाने की तिथि तय कर दी थी। सात आरोपी आज अदालत में होंगे पेश इस केस की जांच महाराष्ट्र एटीएस के तत्कालीन प्रमुख और शहीद आईपीएस अधिकारी हेमंत करकरे को सौंपी गई थी। उन्होंने कुल 12 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी, जिसमें कोर्ट ने पांच आरोपियों को बरी कर दिया था। आज (गुरुवार) को साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित (सेवानिवृत्त), मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), समीर कुलकर्णी, अजय राहिरकर, सुधाकर धर द्विवेदी उर्फ दयानंद पांडे और सुधाकर चतुर्वेदी पर फैसला आया है।।

ट्रंप के 'डेड इकोनॉमी' बयान पर राहुल गांधी का समर्थन, बोले- 'पीएम छोड़ सब जानते हैं'

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25% टैरिफ लगाने और भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड बताने वाले बयान पर भारत में सियासी हंगामा शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने किया ट्रंप के बयान का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं पर टिप्पणी करते हुए 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, मुझे इसकी परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वो अपनी डेड अर्थव्यवस्थाओं को मिलकर गिरा सकते हैं, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह टैरिफ 1 अगस्त 2025 से लागू हो जाएगा। इसके तहत भारत को रूस से तेल और हथियार खरीदने पर भी पेनल्टी देनी होगी। इस बयान पर जब राहुल गांधी से संसद के बाहर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, हां, वो (ट्रंप) सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर कोई यह जानता है। सभी को पता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड अर्थव्यवस्था है। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह फैक्ट बताया। राहुल गांधी का बीजेपी और पीएम मोदी पर हमला राहुल गांधी ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, क्या

आप सबको नहीं मालूम कि इंडियन इकॉनमी डेड अर्थव्यवस्था है, आपको इसको लेकर कोई कंफ्यूजन है? इस बात को पूरी दुनिया जानती है और बीजेपी ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने यह सब अडानी की मदद करने के लिए किया है। कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 30-32 बार कहा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25% टैरिफ लगाने और भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड बताने वाले बयान पर भारत में सियासी हंगामा शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा...

सीजफायर कराया है, भारत के 5 जहाज गिरे हैं और अब 25% टैरिफ लगाएंगे। राहुल गांधी ने पूछा, इन सब बातों पर पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? असली वजह क्या है? कंट्रोल किसके हाथ में है? विदेश नीति पर भी उठाए सवाल राहुल गांधी ने सरकार की विदेश नीति पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, विदेश मंत्री भाषण देते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है। दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा हुआ है। तीसरी तरफ जब आप पूरी दुनिया में डेलिगेशन भेजते हैं तो पाकिस्तान की एक भी देश निंदा नहीं करता है। कैसे चला रहे हैं देश को ये लोग। चलाना ही नहीं आता है। पूरी तरह से कंफ्यूजन है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पीएम मोदी ने अपनी स्पीच में ट्रंप का नाम नहीं लिया, चीन का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख, जिन्होंने पुलवामा पर हमला किया, राष्ट्रपति ट्रंप उनके साथ लंच कर रहे हैं, और पीएम कह रहे हैं कि हमें बहुत बड़ी सफलता मिली है। राहुल गांधी ने व्यंग्य करते हुए पूछा, तो भाई कौनसी कामयाबी हासिल हुई? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति को नष्ट कर दिया है, और पीएम सिर्फ एक ही व्यक्ति, अडानी, के लिए काम करते हैं। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि ट्रंप बताएंगे कि डील कैसे होगी, और पीएम मोदी वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे।

संपादकीय

सीजफायर में मध्यस्थता नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोक सभा में स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। लोक सभा में ह्यऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष बहस में हस्तक्षेप करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने 'पाकिस्तान की नाभि' पर वार किया है। प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस सैन्य अभियान को दुनिया के तमाम देशों का समर्थन मिला लेकिन मुख्य विपक्षी दल का नहीं। प्रधानमंत्री मोदी का बयान महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप उनतीस बार दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान ने उनके कहने पर सीजफायर किया था। चर्चा में शिरकत करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दोहराया कि हिम्मत है तो मोदी ट्रंप को झूठा कहें जो बार-बार दावे करते रहे हैं कि उनके भारत और पाकिस्तान से व्यापार न करने की बात कहने पर दोनों पड़ोसी देशों ने युद्धविराम किया। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि सरकार में इच्छाशक्ति की कमी के कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत को कुछ विमानों का नुकसान हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सेना को खुली छूट दे दी थी और हम पर परमाणु शक्ति होने के नाम पर पाकिस्तान की 'ब्लैकमेलिंग' का कोई दबाव नहीं है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने इस बात को साबित भी किया है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में क्रूर आतंकी घटना घटित हुई जब आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से धर्म पूछ कर गोलियां चलाई। इस आतंकी घटना में 26 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई थी और अनेक घायल हुए। यह आतंकी घटना क्रूरता की पराकाष्ठा थी, जिसने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयासथा। इसके जरिए भारत में दंगे कराने की साजिश थी। लेकिन भारतवासी गजब की एकता दिखाते हुए मुहंतोड़.जवाब दिए जाने के लिए मांग पर अड़िग हो गए। सरकार पर दबाव पड़ा जिसके चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया गया। पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए गए। लेकिन एकाएक युद्ध विराम से कयासबाजी होने लगीं। किसी को भी एकाएक युद्ध विराम की घोषणा पची नहीं और इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप के बयान से भारत की संप्रभुता और विदेश नीति को लेकर सवाल उठने लगे। लेकिन पीएम मोदी ने स्थिति स्पष्ट कर दी है, और अब शक की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वर्ल्ड वाइड वेबः सीमाओं के पार सूचना की स्वतंत्र उड़ान

योगेश कुमार गोयल

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र W W W (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई?

वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही 'W W W' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी।

दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'W W W' की शुरूआत 1991 में हुई। टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं।

वैसे तो आज दुनियाभर में हर कोई इस बात से परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। दरअसल वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन। इंटरनेट पर कुछ भी खोजते समय इंटरनेट सर्च इंजन ही आपकी मदद करता है। जिस भी विषय के बारे में आप जानकारी चाहते हैं, इंटरनेट सर्च इंजन के टूल बार में उसका नाम टाइप करने के बाद एक क्लिक करते ही यह उस विषय से संबंधित ढ़ेरों पेज आपके सामने खुल जाते हैं और इस तरह आप अपनी जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं।

दरअसल सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रोग्राम्स के तहत कार्य करता है और इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है। यही नहीं, इन पृष्ठों की संख्या में आए दिन वृद्धि होती जाती है। यह वेब आधारित एक ऐसी विशेष साइट है, जिसकी सहायता से आप किसी भी विषय पर एकत्रित की गई सूचनाओं तक आसानी से पहुंच सकते हैं। जब भी आप सर्च इंजन में कोई शब्द या वाक्य टाइप कर उससे संबंधित जानकारी चाहते हैं तो सर्च इंजन उस शब्द या वाक्य से संबंधित पृष्ठों की एक विस्तृत सूची बनाकर आपके सामने लाकर रख देता है, जिसमें से आप अपनी जरूरत की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। 'गूगल', 'याहू', 'खोज' इत्यादि कुछ ऐसे सर्च इंजन हैं, जो आज दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं और प्रतिदिन लाखों-करोड़ों बार हिट किए जाते हैं। यदि आप किसी खास विषय से संबंधित जानकारी पाना चाहते हैं तो अपनी खोज को विशेष बनाने के लिए टाइप किए जाने वाले शब्दों के साथ + , - इत्यादि चिन्हों का प्रयोग कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि आप चाहते हैं कि आप द्वारा खोजे जा रहे वेबपज पर इंदिरा और राजीव दोनों का ही नाम हो तो आप सर्च इंजन के टूल बार में इंदिरा+राजीव टाइप करके एंटर कर दें, आप द्वारा चाही गई जानकारी कुछ ही पलों में आपके सामने होगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सीवर में मौत : संवेदनहीनता की पराकाष्ठा

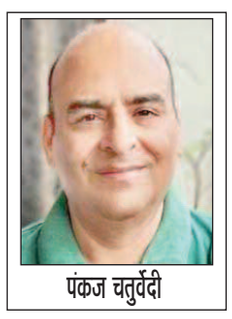

पंकज चतुर्वेदी

केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा कराए गए एक सोशल ऑडिट की ताजा रिपोर्ट से बेहद दर्दनाक सच्चाई सामने आई है कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जान गंवाने वाले 90प्र. से ज्यादा मजदूरों के पास किसी भी तरह के सुरक्षा उपकरण नहीं थे। जांचकताओं ने 2022-23 के बीच 8 राज्यों के 17 जिलों में हुई में हुई 54 मौतों की गहराई से पड़ताल की। पाया कि 54 मौतों में से 49 मामलों में मजदूरों ने कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं पहना था। पांच मामलों में उनके पास दस्ताने थे और सिर्फ एक मामले में दस्ताने और गमबूट, दोनों थे।

इससे भी ज्यादा गंभीर बात यह है कि 47 मामलों में मजदूरों को सफाई के लिए कोई भी मशीनी उपकरण नहीं दिया गया था। यही नहीं, 27 मामलों में तो मजदूरों से काम के लिए सहमति तक नहीं ली गई थी और जिन 18 मामलों में लिखित सहमति ली भी गई, वहां उन्हें काम में शामिल जान के खतरों के बारे में कुछ नहीं बताया गया। सरकार ने संसद में स्वीकार किया कि 'नमस्ते' योजना के तहत 'खतरनाक तरीके से सीवर की सफाई' की समस्या के निराकरण पर काम करना बचा है। नमस्ते योजना के तहत अब तक देश भर में 84,902 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की पहचान की गई है, जिनमें से आधे से कुछ ज्यादा को ही पीपीई किट और सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं।

विदित हो कोई पांच साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि यदि सीवर की सफाई के दौरान श्रमिक मारे जाते हैं, तो उनके परिवार को सरकारी अधिकारियों को 30 लाख रुपये मुआवजा देना होगा। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने साथ ही कहा था कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी विकलांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये और अन्य किसी विकलांगता से ग्रस्त होने पर 10 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। यह आदेश भी क्रियान्वयन के धरातल पर उतर नहीं पाया क्योंकि सीवर की सफाई करने वालों में से अधिकांश को कार्य सौंपने का कोई दस्तावेज ही नहीं होता।

सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेती है। शायद यह पुलिस को भी नहीं मालूम है कि इस तरह सीवर सफाई का ठेका देना हाई कोर्ट के आदेश के विपरीत है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और मुंबई हाई कोर्ट ने 12 साल पहले सीवर की सफाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। सरकार ने भी 2008 में अध्यादेश ला कर गहरे सीवर में सफाई का काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा उपकरण प्रदान करने की अनिवार्यता की बात कही थी। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में मजदूरों को काम पर लगाने का कोई रिकार्ड ही नहीं होता। सिद्ध करना मुश्किल होता है कि अमुक को अमुक ने इस काम के लिए बुलाया था या काम सौंपा था। अनुमान है कि हर साल देश भर के सीवरों में औसतन एक हजार लोग दम घुटने से मरते हैं। जो दम घुटने से बच जाते हैं, उनका जीवन सीवर की विषैली गंदगी के कारण नरक से भी बदतर हो जाता है। देश में दो लाख से अधिक लोग जाम सीवरों को खोलने, मेनहोल में घुस कर जमा गादङ्क पत्थर हटाने के काम में लगे हैं। महीनों से बंद पड़े इन नरक कुंडों में कार्बन मोनो आक्साइड, हाईड्रोजन सल्फाइड, मीथेन जैसी दमघोटू गैसें होती हैं।

यह शर्मनाक पहलू यह है कि जानते हुए भी कि भीतर जानलेवा गैस और रसायन हैं, एक इंसान दूसरे इंसान को बगैर सुरक्षा-साधनों के भीतर ढकेल देता है। सीवरों में घरेलू निस्तार ही नहीं होता, उनमें कारखानों की गंदगी भी होती है। आज घर भी विभिन्न रसायनों के प्रयोग स्थल बन चुके हैं। इनसे निकसित पानी में ग्रीसङ्गचिकनाई, क्लोराइड और सल्फेट, पारा, सीसा के यौगिक, अमोनिया गैस और न जाने क्या-क्या होता है। सीवरेज के पानी के संपर्क में आने पर सफाईकर्मी के शरीर पर छाले या घाव पड़ना आम है। नाइट्रेट और नाइट्राइड के कारण दमा और फेफड़े.के संक्रमण होने की प्रबल आशंका होती है। सीवर के भीतर का अधिक तापमान इन घातक प्रभावों को कई गुना बढ़ा देता है। बदबू , गंदगी और रोजगार की अनिश्चितता में जीने वाले इन लोगों का शराब व अन्य नशों की गिरफ्त में आना लाजिमी है, जो गंभीर बीमारियों को खुला न्योता है।

वैसे कानून है कि सीवर सफाई करने वालों को गैस - टेस्टर (जहरीली गैस की जांच का उपकरण), गंदी हवा बाहर फेंकने के लिए ब्लोअर, टॉर्च, दस्ताने, चश्मा, कान ढंकने का कैप, हैलमेट मुहैया करवाना आवश्यक है। मुंबई हाई कोर्ट का निर्देश था कि सीवर की सफाई का काम ठेकेदारों के माध्यम से कतई नहीं करवाना चाहिए। काश! कानून इतनी कड़ाई से लागू हों कि मुआवजा देने की नौबत आए ही नहीं व सफाई कार्य से पहले ही जिम्मेदार एजेंसियां सुरक्षा उपकरण और कानून के प्रति संवेदनशील हों।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमजोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोजमर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर जोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

प्रत्येक जरूरतमंद को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता : धर्मेंद्र कुमार

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार- जिले के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग में कनिष्ठ सहायक के रूप में कार्यरत धर्मेन्द्र कुमार अपने उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए चर्चा में हैं। उनकी मेहनत और लगन ने न केवल विभाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाया है, बल्कि दिव्यांगजनों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। धर्मेन्द्र कुमार ने अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए विभागीय योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे कई जरूरतमंद लोगों को लाभ पहुंचा है।दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अमरोहा, उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत कार्य करता है और इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे निराश्रित दिव्यांगजन पेंशन योजना, सहायक उपकरण वितरण, और जिला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) के माध्यम से दिव्यांगजनों को चिकित्सा, शिक्षा, और कौशल प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। धर्मेन्द्र कुमार ने इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।धर्मेन्द्र कुमार की कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही साफ झलकती है। वह विभागीय कार्यों को व्यवस्थित करने, लाभार्थियों का डेटा अपडेट करने, और योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय रहे हैं। उनकी कोशिशों से कई दिव्यांगजनों को यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड प्राप्त करने में मदद मिली है, जो विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, वह सहायक उपकरणों जैसे व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, और कृत्रिम अंगों के वितरण में भी सहायता करते हैं, जिससे दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियां आसान हो रही हैं।धर्मेन्द्र कुमार ने जागरूकता अभियानों में भी हिस्सा लिया है, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है। उनकी मेहनत का नतीजा है कि अमरोहा जिले में कई दिव्यांगजन अब आत्मनिर्भर बन रहे हैं और समाज में अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं।जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों ने भी धर्मेन्द्र के कार्यों की सराहना की है। उनके सहकर्मी उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व मानते हैं, जो न केवल अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। धर्मेन्द्र का कहना है कि उनका लक्ष्य प्रत्येक जरूरतमंद तक मदद पहुंचाना है, ताकि कोई भी सुविधाओं से वंचित न रहे।

शिव महापुराण कथा के अंतर्गत गौतम ऋषि व अहिल्याबाई की सुनाई कथा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में बाबा लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के महंत एवं शिव महा पुराण कथा के व्यास स्वामी राजेंद्र मुनि महाराज ने कथा का वाचन करते हुए कहा कि महा शिव महापुराण में गौतम ऋषि, जिन्हें महर्षि गौतम भी कहा जाता है, वैदिक काल के एक महान ऋषि थे। वे सप्तर्षियों में से एक थे और ऋग्वेद में उनके नाम से कई सूक्त (मंत्रों) का उल्लेख है। उनकी पत्नी का नाम अहिल्या था, और उनकी कहानी पौराणिक कथाओं में प्रसिद्ध है। गौतम ऋषि एक महान तपस्वी और संयमी व्यक्ति थे। उनकी पत्नी अहिल्या, ब्रह्मा की मानस पुत्री थीं एक बार, गौतम ऋषि आश्रम से बाहर गए हुए थे, और इंद्र (देवताओं के राजा) ने गौतम ऋषि का रूप धारण करके अहिल्या के साथ छल से संबंध बनाए। जब गौतम ऋषि वापस लौटे, तो उन्होंने इंद्र को पहचान लिया और क्रोधित होकर उन्हें श्राप दिया कि वे नपुंसक हो जाएं। इसके साथ ही, उन्होंने अहिल्या को भी पत्थर बन जाने का श्राप दिया। इस अवसर पर स्वामी प्रवेश मुनि जी महाराज, कमलेश मुनि, धर्म मुनि, नारद मुनि, शास्त्री जी दिनेश शर्मा बदायूं, यश वशिष्ठ, सोनू, बब्बू चौधरी, रक्षपाल सिंह, राजू, जोगेंद्र सिंह, संतवीर सिंह, महिपाल, राम सिंह, ऋषिपाल सिंह, रोहताश सिंह, रघुवीर सिंह, बलवंत सिंह, शिवनाथ सिंह, अंजू शास्त्री आदि भारी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

मारपीट करने व धमकी देने से सम्बन्धित अभियोग में एक व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- थाना डिडौली पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 344/25 धारा 352,115(2),351(2) बीएनएस में अभियुक्त अहमद अली पुत्र मौहमम्द खां निवासी नंगला जहानु कुरेब थाना जेवर जनपद गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) को गिरफ्तार किया गया है । गुरुवार को थाना डिडौली पर वादी पुनित कुमार पुत्र रूपचन्द निवासी मथना थाना एचौडा कम्बोह जनपद सम्भल द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र अभियुक्त अहमद अली पुत्र मौहमम्द खां निवासी नंगला जहानु कुरेब थाना जेवर जनपद गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) द्वारा मोटर साईकिल पानी में चलाने जिससे वादी को छींटे लग जाने व वादी के रोकने पर मारपीट करने व धमकी देने के सम्बन्ध में थाना डिडौली पर मु0अ0सं0 344/25 धारा 352,115(2),351(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया । खबर लिखे जाने तक प्रकरण में तत्काल कार्यवाही करते हुए अभियुक्त अहमद अली को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही थी।

पहाड़ों से छोड़ा गया 73 हजार क्यूसेक पानी, गंगा का जलस्तर 15 सेमी बढ़ा, यूपी के इन गांवों पर मंडराया बाढ़ का खतरा

अमरोहा। एक बार फिर पहाड़ी जलाशयों से पानी छोड़ने से गंगा के जलस्तर में इजाफा हुआ है। गुरुवार को गंगा जलस्तर में 15 सेमी की वृद्धि होने से परेशानी उत्पन्न होने का अनुमान बढ़ा है। उधर, गंगा किनारे के गांवों तक पानी पहुंचाने का खतरा मंडराने लगा है। बता दें कि वर्षा होने के बाद पहाड़ी जलाशयों से पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री सहित उस इलाकों में होने वाली वर्षा के बाद पानी हरिद्वार बैराज होते हुए बिजनौर और फिर सीधा तिगरी की गंगा में पहुंचता है। पिछले कुछ दिनों से जलस्तर स्थिर और कम हो रहा था, लेकिन गुरुवार को इजाफा हुआ है। बिजनौर बैराज से 73 हजार क्यूसेक के अधिक पानी छोड़े जाने पर गंगा के गेज में 15 सेमी की बढ़ोतरी हुई है। बुधवार को गेज 199.80 मीटर था और अब 199.95 मीटर पर आ गया है। ऐसी स्थिति में गंगा किनारे पर बसे गांव मंदिर वाली भुड्डी, शीशो वाली, दारानगर, अलीनगर, चकनवाला ऐतवाली, सुल्तानपुर, ओसिता जगदेपुर, कांकाठेर, तिगरी, रसूलपुर भंवर, रसूलपुर एहतमाली, देवीपुर उर्फ मोहसनपुर, पपसरी खादर, मुकरामपुर, शाहजहांपुर छात, रमपुर खादर, चांदरा फॉर्म, रानी बसतौरा, बिसाबली, कुई वाली, देव वाली, पट्टी खादर, झुंडपुरा व हसनपुर तहसील के गांव सिरसा गुर्जर की मढैया, सतैडा की मढैया, गंगानगर, पौरारा, दियावली आदि गांव के नजदीक पानी पहुंचने का खतरा है। उधर, ब्रजघाट व तिगरीधाम में गंगा का दायरा बढ़ने की वजह से कटान की समस्या भी बनने लगी है। मोटरवोट भी नहीं चल रही हैं। बाढ़ खंड विभाग के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि गेज 15 सेमी बढ़ा है।

पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को गौशाला में किया संरक्षित

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में लगभग प्रतिदिन निराश्रित गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में मार्गों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए यथासंभव प्रयास किया जा रहे हैं। नगरीय क्षेत्र में अधिशासी अधिकारियों व ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित खंड विकास अधिकारियों ग्राम पंचायत सचिवों व क्षेत्र वासियों के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। हिंसक नंदियों को काबू करने में पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। किसी कड़ी में विदित देवेश यादव ग्राम पंचायत सचिव आदमपुर द्वारा एक सप्ताह में 20 निर्देशित गोवंशरक्षित कराए गए हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त ने बताया है कि माह जुलाई 2025 में विभिन्न स्थानों में 179 गोवंश संरक्षण किए गए हैं। इस वित्तीय वर्ष 2025 - 26 में अब तक 361 में जनपद में अभी तक कल 6331 निराश्रित गोवंश संरक्षित किया जा चुके हैं। वह संरक्षण में नंदियों को प्राथमिकता के आधार पर संरक्षित किया जाता है। प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित गोवंश के कारण होने वाले दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय व राज्य मांगों के किनारे बेस ग्रामीणों में पालतू गोवंश के गले में रेडियम पट्टी बांधने की भी व्यवस्था की जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त ने सभी पशु पलकों से अपील की है कि अपने पालतू गोवंश महेश वंश के कान में छल्ला डालकर भारत पशुधन एवं पंजीकरण आवश्यक कराए। इस कार्य हेतु पशुपालन विभाग की टीवी ग्रामीणों में जाकर ईयर टेकिंग में खुरपका मुंह पका का टीकाकरण कर रही है।

यूपी के इस हाईवे पर वन-वे व्यवस्था लागू, शुक्रवार से रूट डायवर्जन भी शुरू

गजरौला। गुरुवार से ही ब्रजघाट में कांवड़ियों की उम्मीद से ज्यादा भीड़ उमड़ने लगी है। इसलिए पुलिस ने दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वन-वे व्यवस्था लागू करते हुए एक साइड कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दी है। शुक्रवार से भारी वाहनों का भी रूट डायवर्जन लागू किया जाएगा। उसके लिए भी पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। 4 अगस्त को सावन मास का आखिरी एवं चौथा सोमवार है। इससे पहले तीन सोमवार बीत चुके हैं। लेकिन, उन सोमवार के लिए पुलिस शुक्रवार से ही हाईवे पर यातायात से जुड़ी पाबंदियां लागू करती थी लेकिन, इस बार चौथे सोमवार के लिए गुरुवार से ही हाईवे पर कांवड़ियों की भीड़ नजर आने लगी है। भीड़ भी ठीकठाक होने की वजह से पुलिस ने यातायात से जुड़ी पाबंदियों को एक दिन पहले ही लागू करने का निर्णय लिया। टीएसआइ अनुज कुमार तोमर ने बताया कि गुरुवार की दोपहर से हाईवे पर कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू करते हुए दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जाने वाली हाईवे की लाइन को कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दिया है। शुक्रवार की सुबह से हाईवे पर भारी वाहनों का रूट डायवर्जन भी लागू किया जाएगा। उधर, हाईवे पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटियां भी खड़ी कर दी गई हैं।

जिलाधिकारी ने तहसील एवं ग्रामस्तरीय समिति गठित कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुये बताया कि अत्यधिक वर्षा में बाढ़ प्रबंधन एवं राहत व बचाव कार्यों के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही के दृष्टिगत जनपद के समस्त बाढ संवदेनशील ग्रामों में राहत चौपाल आयोजित की जाएगी। चौपाल में जन समुदाय के लोग व ग्राम प्रधान के साथ-साथ राजस्व, सिंचाई, पुलिस, स्वास्थ्य, पशुपालन, पंचायती राज बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, कृषि, ग्राम विकास, खाद्य एवं रसद विभाग, ऊर्जा विभाग आदि अन्य विभागों के क्षेत्रीय/ग्राम स्तरीय कर्मचारी एवं प्रतिनिधि द्वारा प्रतिभाग अनिवार्य रूप से किया जायेगा। राहत चौपाल के अन्तर्गत बाढ़ सवेदनशील ग्रामों का निरीक्षण, पूर्व तैयारी, राहत व बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम जनसंवाद, समुदाय की मागीदारा इत्यादे महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार-विमर्श/जनजागरूकता/कार्यवाही की जायेगी। जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि सम्भावित बाढ के दृष्टिगत संवेदनशील गांव के प्रत्येक मजरे में राहत चौपाल प्राथमिकता के आधार पर आयोजित की जाय तथा चौपाल में संबंधित विभागों के अधिकारीगण अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें। सर्वप्रथम ग्रामवासियों से उपस्थित सभी अधिकारियों/कार्मियों विशष रूप से राजस्व कार्मियों जो कि आपदा राहत हेतु सीधे तौर पर उत्तरदायी होते हैं जैसे स्थानीय लेखपाल, राजस्व निरीक्षक, नायब तहसीलदार आदि का परिचय कराया जाये ताकि ग्रामवासियों को जानकारी रहे कि किसी भी आपदा के समय उन्हें किससे सम्पर्क करना है। विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा संभावित बाढ़, अतिवृष्टि, वज्रपात, सर्पदंश तथा अन्य घटित आपदाओं के संबंध में क्या तैयारी की गयी है से ग्रामवासियों को अवगत करायेगे। लेखपाल चिन्हित किये गये बाढ़ चौकी, राहत केन्द्र एवं राहत शिविर के संबंध में समुदाय को अवगत करायेंगे। राहत चौपाल में राहत आयुक्त कार्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1070 व जनपद में स्थापित आपदा कन्ट्रोल रूम नंबर-05922-252100 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के पूर्व व बाद से सम्बन्धित कार्य में लगे जनपद स्तर के समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों, आपदा मित्रों, नागरिक सुरक्षा गोताखारा नाविकों व अन्य वालेन्टियर्स के मोबाइल नम्बर तथा पते की डायरेक्ट्री तैयार कर ली जाये। अतः राहत आयुक्त, उत्तर प्रदेश के उक्त निदेर्शों के अनुपालन में जनपद अमरोहा में राहत चौपाल आयोजित किये जाने हेतु तहसील एवं ग्राम स्तर पर समिति गठित की गई है। तहसील स्तररीय गठित समिति में उप जिलाधिकारी-अध्यक्ष, संबंधित ब्लाक के खण्ड विकास अधिकारी-सचिव, नायब तहसीलदार-पर्यवेक्षक और अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी (समस्त सी०एस०सी प्रभारी/उप पशु चि० अधि०/सी०डी०पी०ओ०/कृषि विभाग/ विद्युत/सहा० पूर्ति निरीक्षक /पी०डब्लू०डी० व अन्य विभागीय अधिकारी/ कर्मचारी) सदस्य होगें। ग्राम स्तरीय गठित समिति में ग्राम प्रधान-अध्यक्ष, लेखपाल-सचिव, ए0डी0ओ0 पंचायत-पर्यवेक्षक, ग्राम्य विकास अधिकारी-सदस्य और अन्य संबंधित विभाग के ग्राम स्तरीय अधिकारी कर्मचारी (प्रधान अध्यापक शिक्षा मित्र/ ए०एन०एम०/ ग्राम रोजगार सेवक आपदा मित्र आशा आगनवाड़ी/ चौकिदार आदि) सदस्य होगें। तहसील स्तरीय समिति का यह दायित्व होगा है कि संबंधित ग्राम स्तरीय समितियों के द्वारा व्यापक स्तर पर प्रत्येक ग्रामों/ग्राम पंचायतों में राहत चौपाल के माध्यम से जनपद की विभिन्न प्रमुख आपदाओं (आकाशीय विद्युत/ सर्पदंश/ डूबना/ बाढ़/ अग्निकांड व अन्य आपदाओं) के प्रति जागरूक करने हेतु आयोजित कार्यक्रमों का स्वयं जांच कर संबंधित फोटो ग्राफ के साथ प्रमाणित आख्या प्रत्यके दिवस आपदा प्रबंधन कार्यालय को उपलब्ध करायेगें। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों को निर्देशित किया कि आयोजित राहत चौपालों में अपने-अपने विभाग के समक्ष अधिकारियों/ कर्मचारियों की उपस्थिति कराना सुनिश्चित करें।

खिड़की तोड़कर दिन दहाड़े घर से नगदी और जेवर गायब

चोरी के बाद घर में बिखरा पड़ा सामान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में परिवार के सदस्य बाग में आम तोड़ने के लिए गए थे। इसके बाद चोरों के द्वारा घर की खिड़की तोड़कर घर में रखे सोने चांदी के आभूषण व नगदी चोरी कर ली गई। मिली जानकारी के अनुसार हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर उर्फ भूत खदेड़ी गांव में बेगराम पुत्र रामफल अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहते हैं बुधवार को वह बाग में आम तुड़वाने के लिए अपने पत्नी व बच्चों के साथ गए थे। जब वह शाम को अपने परिवार के साथ घर वापस आए तो उन्होंने देखा कि घर में सामान अस्त व्यस्त हालत में पड़ा है। उन्होंने घर में रखी नगदी व जेवरात को देखा तो उन्हें पता चला कि बाग की फसल के आए हुए एक लाख साडे ड्ड22000 व सोने चांदी के पांच आभूषण गायब थे। उन्होंने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। जिसके बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और निरक्षण किया। आसपास के लोगों में दिन दहाड़े हुई इस चोरी से डर का माहौल है।

ड्रोन सम्बन्धी फैल रही अफवाहों को लेकर अमरोहा पुलिस ने गोष्ठीया कर किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट किया गया कि ड्रोन सम्बन्धी कई प्रकार की भ्रामक जानकारियाँ एवं अफवाहें सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर फैलाई जा रही हैं, जो पूर्णतः असत्य एवं भ्रम उत्पन्न करने वाली हैं। जनता से अपील की गई कि वे ऐसे किसी भी फर्जी या अफवाहयुक्त संदेश को न तो शेयर करें और न ही इन पर विश्वास करें। ड्रोन या ड्रोन जैसी संदिग्ध वस्तु दिखाई देने की स्थिति में नागरिक व्हाट्सएप नंबरः 9454458055 फोटो/वीडियो, स्थान, समय जानकारी तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराएं। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि ड्रोन का अनाधिकृत प्रयोग, अथवा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने जैसी गतिविधियाँ गंभीर अपराध की श्रेणी में आती हैं, जिनके विरुद्ध दण्डात्मक व कानूनी कार्यवाही की जाएगी। अमरोहा पुलिस आम जनता से सहयोग की अपील करती है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि जनपद की शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जा सके।

संत तुलसीदास एवं मुंशी प्रेमचंद की जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- रानी रामकली सांस्कृतिक क्लब, एस. एम. कॉलेज चंदौसी के तत्वावधान में भक्ति काल के महाकवि संत तुलसीदास एवं आधुनिक काल के कलम के सिपाही मुंशी प्रेमचंद की जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ राम अधार सिंह यादव संयोजक रानी रामकली सांस्कृतिक क्लब ने मां सरस्वती, संत तुलसीदास और मुंशी प्रेमचंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात रागिनी, मुक्ता, राधा ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की. डॉ यादव ने संत तुलसीदास को क्रांतिकारी कवि बताते हुए उनकी समन्वयवादी विचारधारा पर प्रकाश डाला. मुंशी प्रेमचंद जी के उपन्यास एवं कहानियां की समकालीन समीक्षा भी प्रस्तुत की. डॉ. स्तुति वशिष्ठ, विभाग अध्यक्ष बीएड विभाग ने संत तुलसीदास जी के चरित्र से प्रेरणा लेते हुए वर्तमान समाज के निर्माण पर बल दिया. डॉ नेहा शर्मा ने मुंशी प्रेमचंद जी के कहानियों में मानव मूल्य पर प्रकाश डाला. डॉ अंजू चौहान ने तुलसीदास जी के काव्य में रामचरितमानस के सामाजिक देन विषय पर अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विशेष कुमार पांडेय ने किया. इस अवसर पर डॉ. स्कंद, डॉ.कंचन त्रिपाठी, डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. प्रीति रानी सहित महाविद्यालय की सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

मानव तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर दुकानदारों को बाल श्रम न करने के संबंध में किया गया जागरूक

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- विश्व मानव तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर थाना AHT U NGO जस्ट राइट्स, स्टेशन अधीक्षक चंदौसी, थाना प्रभारी RPF/GRP की संयुक्त टीम द्वारा जन जागरूकता गोष्ठी एवं कार्यशाला स्टेशन अधीक्षक कार्यालय चंदौसी में आयोजित की गई । जिसमें मानव तस्करी को रोकने हेतु कार्ययोजना तैयार की गई । गोष्ठी में मानव तस्करी को रोकने तथा रेलवे स्टेशन पर चेकिंग, रेल की चेकिंग व आने जाने वाले लोगों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने हेतु विचार रखे गए। मानव तस्करी रोकने संबंधी जागरूक वीडियो/ऑडियो क्लिपों के रेलवे स्टेशन पर प्रसारण हेतु चर्चा की गई । साथ ही स्टेशन पर आमजन मानस को पम्पलेट आदि के माध्यम से मानव तस्करी के संबंध में जागरूक करते हुए चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 व डायल 112 के विषय में जानकारी दी गई। इसके उपरान्त टीमों द्वारा कस्बा चंदौसी में दुकानदारों को बाल श्रम न करने के संबंध में जागरूक किया गया।

दहेज हत्या में वांछित चल रहे अभियुक्त अभियुक्ता पुलिस ने किए गिरफ्तार

असमोली/संभल(सब का सपना):- दहेज हत्या में वांछित चल रहे अभियुक्त अभियुक्ता स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए हैं। थाना असमोली पर वादी जसपाल निवासी ग्राम हसनगढ थाना ऐंचौडा कम्बोह जनपद सम्भल की तहरीरी सूचना विपक्षीगण (ससुरालजन) द्वारा वादी की पुत्री को दहेज के लिए प्रताडित करना तथा मांग पूरी ना होने पर हत्या कर देना के सम्बन्ध में थाना असमोली पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसमें 30 जुलाई को थाना असमोली पुलिस टीम द्वारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम में वांछित अभियुक्त/अभियुक्ता जयचन्द पुत्र सुम्मेर सिंह, कलावती पत्नी जयचन्द निवासीगण ग्राम अकबरपुर गहरा थाना असमोली जनपद सम्भल को अभियुक्तों के घर से गिरफ्तार किया गया है।

आर डी एच फाउंडेशन (एनजीओ) परिवार ने आज अलीगढ़ मंडल में गांव गांव जाकर की सामग्री वितरण

हापुड़ (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन (एनजीओ) परिवार ने अलीगढ़ मंडल में गांव गांव जाकर 83 लोगों को आर्थिक मदद दी। जिस में विधवा,महिलाओं, पढ़ने वाले बच्चों को गरीब परिवारों को बीमार लोगों को, विधवाओं को ड्1100 सौ 1100 सौ का राशन का सामान, बच्चों को बैग, महिलाओं को साड़ी, लड़कियों को सूट, जेंट्स को लोअर टीशर्ट देकर आर्थिक मदद की। इस मौके पर आरडीएस फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि आरडीएच फाउंडेशन प्रतिदिन 50 से 80 परिवारों की सहायता करता है। आरडीएच फाउंडेशन परिवार पूरे भारतवर्ष में काम कर रहा है। इस मौके पर उप राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित राजपूत, उपसचिव मोहित सिंह, मंडल अध्यक्ष रीना राजपूत, प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान, उपप्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान , जिला अध्यक्ष राम सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष मनीष राजपूत, तहसील अध्यक्ष अंजली राजपूत, गांव अध्यक्ष रितु राजपूत ब्लॉक अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत, अलीगढ़ उपमंडल अध्यक्ष सोनू सिंह राजपूत मौजूद रहे।

अमरोहा के प्रभागीय वनाधिकारी एसपी की सेवानिवृत्ति: जिला प्रशासन और कर्मचारियों ने नम आंखों से दी विदाई

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) एसपी सिंह ने अपनी लंबी और शानदार सरकारी सेवा के बाद आज सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर जिला प्रशासन और वन विभाग के कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह में उपस्थित लोगों की नम आंखें और उनके प्रति व्यक्त की गई कृतज्ञता इस बात का प्रमाण थी कि एसपी सिंह ने अपने कार्यकाल में न केवल विभागीय जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया, बल्कि अपने सहकर्मियों और स्थानीय समुदाय के दिलों में भी विशेष स्थान बनाया। एसपी सिंह ने अपनी सेवा की शुरूआत लगभग तीन दशक पहले भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी के रूप में की थी। अमरोहा में उनके कार्यकाल के दौरान, उन्होंने वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, और पर्यावरण जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। अमरोहा, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और गंगा नदी के किनारे बसे तिगरी जैसे स्थानों के लिए जाना जाता है, में उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की गईं। इनमें वृक्षारोपण अभियान, अवैध कटाई पर रोकथाम, और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर वन संरक्षण के प्रयास शामिल हैं। उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक थी अमरोहा के जंगलों में जैव विविधता को बढ़ावा देना। उन्होंने स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण के लिए कई योजनाएं लागू कीं, जिसमें दुर्लभ पक्षियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान शामिल थे। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय स्कूलों और समुदायों के साथ मिलकर पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया, जिससे युवा पीढ़ी में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना जागृत हुई। विदाई समारोह का आयोजन अमरोहा के नौगांव सादात स्थित बैंकट हॉल में में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप, उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सत्यपाल सिंह साथ ही अन्य वन विभाग के कर्मचारी, और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुई, जिसके बाद एसपी सिंह के योगदान को याद किया गया। एसपी सिंह ने न केवल वन विभाग को अपनी सेवाएं दीं, बल्कि उन्होंने अमरोहा की प्राकृतिक संपदा को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।" उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उनके नेतृत्व में अमरोहा के जंगलों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ, जिससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी को मजबूती मिली। वन विभाग के कर्मचारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। एक वरिष्ठ रेंजर ने भावुक होते हुए कहा, "एसपी सिंह सर हमारे लिए सिर्फ एक अधिकारी नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक और परिवार के सदस्य की तरह थे। उनके साथ काम करना हमारे लिए गर्व की बात है।" कर्मचारियों ने उनके सौम्य स्वभाव, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, और सभी को साथ लेकर चलने की कला की जमकर प्रशंसा की। समारोह में अपने अंतिम संबोधन में एसपी ने अपने अनुभव और भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, "मेरे लिए अमरोहा में बिताया गया समय अविस्मरणीय रहा। इस जिले की प्राकृतिक सुंदरता और यहां के लोगों का सहयोग मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को न भूलें। हमारे जंगल, नदियां, और वन्यजीव हमारी धरोहर हैं, और इन्हें बचाने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा।" उन्होंने युवा पीढ़ी से विशेष रूप से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं और वृक्षारोपण जैसे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव लाएं। उन्होंने अपने सहकर्मियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी सफलता का श्रेय विभाग के प्रत्येक कर्मचारी के सहयोग और मेहनत को जाता है। समारोह के दौरान, जिला प्रशासन और वन विभाग की ओर से एसपी सिंह को स्मृति चिन्ह ओर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया है। स्थानीय समुदाय की ओर से भी उन्हें उपहार दिए गए, जिसमें एक हस्तनिर्मित चित्र शामिल था, जिसमें अमरोहा के तिगरी गंगा मेले और जंगलों की सुंदरता को दर्शाया गया था। अमरोहा, जो गंगा नदी के किनारे बसा है और अपने हरे-भरे जंगलों और कृषि क्षेत्रों के लिए जाना जाता है, पर्यावरणीय चुनौतियों से अछूता नहीं है। अवैध कटाई, वन्यजीवों का शिकार, और शहरीकरण का दबाव इस क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा के लिए खतरा बने हुए हैं। एसपी सिंह ने अपने कार्यकाल में इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर अवैध कटाई पर सख्त कार्रवाई की और जंगल में गश्त बढ़ाने के लिए नई रणनीतियां लागू कीं। इसके अलावा, उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी दल का गठन किया, जिसने क्षेत्र में तस्करी और शिकार की घटनाओं को काफी हद तक कम किया। उनके प्रयासों से अमरोहा के जंगलों में कुछ दुर्लभ प्रजातियों की संख्या में वृद्धि देखी गई, जो उनके कार्यकाल की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। एसपी सिंह की विदाई न केवल एक अधिकारी की सेवानिवृत्ति थी, बल्कि यह एक युग का अंत भी था। उनके योगदान को अमरोहा के लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। समारोह में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की नम आंखें इस बात का सबूत थीं कि उन्होंने अपने कार्य और व्यवहार से सभी के दिलों में जगह बनाई थी। यह विदाई समारोह केवल एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को सम्मान देने का अवसर था, जिसने प्रकृति और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया। अमरोहा के निवासियों और वन विभाग के कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा, "एसपी सर, आप भले ही अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन आपके कार्य और प्रेरणा हमेशा हमारे साथ रहेंगे।" इस भावुक विदाई के साथ, अमरोहा ने अपने एक सच्चे सेवक को अलविदा कहा, लेकिन उनके योगदान की गूंज इस क्षेत्र में लंबे समय तक सुनाई देगी।

यातायात पुलिस द्वारा स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों की दी गई जानकारी

स्थानीय नागरिकों एवं अभिभावकों ने यातायात पुलिस के इस जागरूकता अभियान की सराहना

बबराला/संभल(सब का सपना):- यातायात पुलिस द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए आज स्कूल की छुट्टी के समय चौराहे पर स्कूली बच्चों को रोका गया और उन्हें सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी गई। यातायात पुलिस के द्वारा बच्चों को सड़क पार करने के सुरक्षित तरीके, ट्रैफिक सिग्नलों का सही प्रयोग, जेब्रा क्रॉसिंग का महत्व, हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग की अनिवार्यता, और वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सरल भाषा में समझाया गया। इस अवसर पर बच्चों में खास उत्साह देखा गया। बच्चों ने भी अपनी जिज्ञासाओं से जुड़े सवाल पूछे, जिनका उत्तर पुलिस अधिकारियों द्वारा विस्तार से दिया गया। इस शिक्षात्मक संवाद के माध्यम से न सिर्फ बच्चों को भविष्य के लिए जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा मिली, बल्कि उनके माध्यम से यह संदेश उनके परिवारों तक भी पहुंचेगा। स्थानीय नागरिकों एवं अभिभावकों ने यातायात पुलिस के इस जागरूकता अभियान की सराहना की और कहा कि इस तरह के प्रयास समय-समय पर होते रहने चाहिए, जिससे बच्चों में सुरक्षा को लेकर समझ विकसित हो सके। जनपद पुलिस का उद्देश्य है कि भविष्य की पीढ़ी को जिम्मेदार और सजग नागरिक बनाया जाए जो स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

जन कल्याण सेवा समिति रजि0 चन्दौसी द्वारा बेजुबान जानवरो को दूध ,बिस्कुट ,ब्रेड खिलाकर की गई सेवा

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- जन कल्याण सेवा समिति रजि० चन्दौसी के तत्वाधान में असहाय जानवरों कुत्ते आदि के लिए संस्था द्वारा दूध ,बिस्कुट ,ब्रेड खिलाकर सेवा की गयी । समिति की अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने बताया ये बेजुबान जानवर जो हमारी प्रकृति की देन है । इनकी सेवा करना हमारा फर्ज है । इन जानवरों का कोई सहारा नहीं होता है । एक रोटी के टुकडे से ये हमारी गली ,घर के आसपास अपना जीवन निर्वाह करते हैं तथा अपनी बफादारी समय के रहते सिद्ध कर देते हैं । समिति के सदस्य समय -समय पर ड्रसे असहाय जानवर गाय ,कुत्ते ,सांड आदि की सेवा, बीमार होने पर चिकित्सा आदि की व्यवस्था करते रहते हैं इस दौरान भावना गुप्ता , आशा गोस्वामी, रेखा रस्तोगी,आभा रानी,पूर्णिमा वार्ष्णेय,संगीता शर्मा, रचना वार्ष्णेय ,दया , मीनू फैंसी, पूनम वार्ष्णेय , अंशु वार्ष्णेय,सीमा फैंसी, दिनेश चंद्र गुप्ता , श्रीमोहन "नक्षत्र" आदि का सहयोग रहा ।

बिजली की चपेट में आए दो बंदर, एक की मौत, लापरवाही पर ग्रामीणों में रोष

संग्रामपुर/अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- क्षेत्र के भीटहरी सहजीपुर गांव में बुधवार एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से दो बंदर बुरी तरह झुलस गए। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दी, लेकिन समय पर सहायता न मिलने के चलते एक बंदर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल होकर घंटों तड़पता रहा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने विभागीय अधिकारियों को बार-बार कॉल कर सूचना दी, लेकिन न तो वन विभाग से कोई आया और न ही पशु चिकित्सालय से कोई डॉक्टर या कर्मचारी मौके पर पहुंचा। इस लापरवाही के विरोध में ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन भी किया। ग्रामीण राजू सिंह ने बताया कि उन्होंने स्वयं फोन पर दोनों विभागों को सूचित किया था, बावजूद इसके कोई सहायता नहीं मिली। स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जानवरों की पीड़ा पर भी जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं।

मामले में एडीओ पंचायत लाल शशिकांत सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की मौजूदगी में सफाईकर्मियों की टीम भेजकर मृत बंदर का अंतिम संस्कार कराया गया है।

वन दरोगा रणवीर सिंह ने विभागीय जिम्मेदारी से किनारा करते हुए कहा कि अब बंदर ग्राम सभा की जिम्मेदारी में आते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि मौके पर बीट वॉचर को भेजा गया था। वहीं, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार पांडेय से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

घटना के बाद से ग्रामीणों में गहरा रोष है और वे प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। यह घटना न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर विभागीय उदासीनता को उजागर करती है, बल्कि यह भी सवाल खड़े करती है कि आपात स्थिति में ग्रामीणों को समय पर सहायता क्यों नहीं मिल पाती।

तीन दिन की रुक-रुक कर हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित, अंडरपास में भरा पानी बना मुसीबत-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। गांवों की गलियों में पानी भर गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मां कालका धाम मार्ग पर स्थित अंडरपास में भी बारिश का पानी भर गया है, जिससे दोपहिया और छोटे वाहन पूरी तरह से बंद हो गए हैं। इसके चलते लोगों को 10 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर आना-जाना पड़ रहा है। ग्रामीण मुन्ना शर्मा, सदाशिव वर्मा और हरिशंकर गुप्ता ने बताया कि अंडरपास में जलभराव के कारण उन्हें रोजाना करीब 5 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। हालांकि, धान के खेतों में पानी भरने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। लंबे समय से सूख रही फसलों को बारिश से राहत मिली है और उन्हें संजीवनी जैसा लाभ हुआ है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि अंडरपास में पानी निकालने की व्यवस्था की गई है। ज्यादा पानी भरने की स्थिति में इंजन के माध्यम से निकासी की जाती है।

एसपी द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले अधि0/कर्म0गण को दी गयी विदाई

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद में नियुक्त उ0नि0 सोहनलाल, उ0नि0 सीताराम यादव, उ0नि0 नरेश पाल सिंह, उ0नि0 अशोक कुमार, उ0 नि0 अजय कुमार, मु0आ0 चालक सर्वजीत विश्वकर्मा, ली0फा0मैन जैनुल आब्दीन एवं अनुचर राजकुमारी को उनकी अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्ति के उपरान्त पुलिस कार्यालय गौरीगंज में पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा उनको उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया एवं उपहार देकर विदाई दी गई तथा आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई, साथ-साथ वर्तमान समय में चल रहे फोन कॉल अथवा ऑनलाइन साइबर ठगी जैसे- फर्जी ट्रेजरी अधिकारी बनकर अथवा पुलिस कार्यालय के कर्मचारी बनकर रिटायर्ड पुलिस अधि0/कर्म0गण को पेंशन प्रपत्र पूरा न होना कहकर व पेंशन रोकने की बात कहकर उनसे पूरी जानकारी व ओटीपी आदि पूछकर ठगी करने वालों से सावधान रहने व इस प्रकार के फोन कॉल पर कोई भी जानकारी न देने के बारे में जागरूक भी किया गया । जिससे किसी के साथ कोई साइबर ठगी न हो सके । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन राजेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे ।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की जाएगी जारी 2 अगस्त को

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार ने बताया कि वाराणसी में आयोजित होने वाले पी०एम० किसान उत्सव दिवस में 02 अगस्त 2025 को मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा पी०एम० किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की जायेगी। इस क्रम में उन्होंने बताया कि जिसमें निम्नानुसार कार्यवाही के तहत वर्चुवल रूप से https://pmindiawebcast. nic.in लिंक पर किसान सम्मान समारोह का प्रसारण व जनपद एवं विकासखण्ड स्तर पर कार्यकम को प्रभावी बनाये जाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय जन प्रतिनिधियों यथा मा० लोकसभा/विधानसभा/विधान परिषद सदस्य इत्यादि की भी कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक स्थानीय स्तर पर किया जायेगा तत्पश्चात मुख्य कार्यकम 11:00 बजे से मा० प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा व मा० प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात जनपद में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उपस्थित लाभार्थियों से सम सामयिक तकनीकी चर्चा का सत्र भी चलाया जायेगा। इस संबंध में उन्होंने बताया कि जनपद में 20वीं किस्त हेतु 268288 किसानों का डाटा जनपद स्तर से लॉक किया गया है तथा जनपद के समस्त किसानो से अपने विकासखण्ड/ ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित हो रहे कार्यकम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करते हुये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 20वीं किस्त के स्थानान्तरण का लाइव प्रसारण कार्यकम में प्रतिभाग करने की अपील किया है।

साइबर ठग द्वारा काटे गये 107,000/- रुपये को थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा वापस कराया गया

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- शुभम सिंह पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम पूरे अवसेरी कूरा थाना मोहनगंज द्वारा अभिषेक श्रीवास्तव पुत्र अनिल कुमार श्रीवास्तव निवासी पूरे विन्धा दीवान भवानीनगर थाना मोहनगंज द्वारा दिनांक 06.01.2025 को साइबर हेल्पलाइन नं0 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करायी गयी थी कि साइबर अपराधी द्वारा आवेदकों के खाते से अपने खाते में रुपये ट्रांसफर करा लिया गया है । जिसके सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा थाना साइबर क्राइम एवं थाना मोहनगंज को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । जिसके क्रम में थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी में संलिप्त बैंक खाते को छील्ल/ऋीईी कराते हुए पीड़ित शुभम सिंह के बैंक खाते में 45,000/- रुपये व पीड़ित अभिषेक श्रीवास्तव के बैंक खाते में 62,000/- रुपये को वापस कराया गया ।

40 ग्राम स्मैक के साथ 1 अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान व ह्लनशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना जायस पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान 01 नफर अभियुक्त सुनील पुत्र रामउजेर निवासी पूरे टुटही बाजार मजरे संडहा थाना नसीराबाद जनपद रायबरेली उम्र करीब 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 40 ग्राम स्मैक बरामद हुआ । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना जायस पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

राजधानी में दर्दनाक घटना, करंट ने लील ली भाई-बहन की जिंदगी; घर में भरा था बारिश का पानी

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में बेगमपुर स्थित राजीव नगर में भाई-बहन की करंट लगने से हुई मौत। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। बताया जा रहा है कि घर के अंदर भरे बारिश के पानी में भाई को करंट लगता देख, बचाने गई बहन को भी करंट लग गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बहन शादीशुदा है। वह कुछ दिन पहले तीज मनाने के लिए भाई के यहां आई थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक भाई की पहचान 25 वर्षीय विवेक चौहान के रूप में हुई है। बहन की पहचान 29 वर्षीय अंजू चौहान के रूप में हुई है। वहीं, करंट लगने से इनके पिता कालीचरण चौहान की हालत गंभीर बनी हुई है। जो पास के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। पीड़ित परिवार ने बताया कि घर के बाहर लगे बिजली मीटर के तार में लगे अर्थिंग तार से घर में रखी लोहे की सीढ़ी में करंट उतरा। जो पास में ही शौचालय के अंदर भी फैल गया। गुरुवार की रात करीब 10:30 बजे विवेक शौच के लिए गया, तभी उसे करंट लग गया। बचाने गई अंजू भी करंट की चपेट में आ गई। इस दौरान भाई-बहन को करंट लगता देख पिता कालीचरण भी बचाने गए, उन्हें भी करंट लग गया। भाई-बहन की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं, पिता कालीचरण को पास के ही एक अस्पताल लेकर जाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतका अंजू की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। वह कुछ दिन पहले तीज मनाने के लिए मायके में आई हुई थी। मृतक विवेक इलाके में ही एक अकाउंटेंट के पास नौकरी करता था। अंजू की मां का आरोप है कि हादसे के बाद बिजली कंपनी के ग्राहक सेवा केंद्र में इसकी जानकारी दी गई। जानकारी के एक घंटे बाद कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंच कर बिजली काटने की कार्रवाई शुरू की। वहीं, फिलहाल बेगमपुर थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर रोहिणी स्थित अंबेडकर अस्पताल के शव गृह में सुरक्षित रखवा दिया है। वहीं, इस पूरे मामले की जांच कर ही है।

आखिर गिरफ्तार हुई ड्रग्स तस्कर बरखा, लंबे समय से दिल्ली पुलिस को दे रही थी चकमा

नई दिल्ली। दिल्ली में लंबे समय से फरार महिला ड्रग्स तस्कर बरखा को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हेरोइन तस्करी के एक मामले में महिला को भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। इसके परिवार के अधिकतर सदस्य ड्रग्स तस्करी का धंधे में संलिप्त है। डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक, 14 अप्रैल 2024 को अमन विहार के रहने वाले दो भाइयों सुमित उर्फ सनी और सचिन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें बुराड़ी इलाके में 1.10 किलो हेरोइन की खेप गौरव नाम के एक व्यक्ति को पहुंचाने के दौरान गिरफ्तार किया गया। वहीं, पूछताछ में दोनों ने बताया था कि उन्होंने प्रताप नगर की रहने वाली रेणु से हेरोइन खरीदी थी। उसे भी बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस हिरासत में सचिन और सुमित ने बताया कि उनकी पत्नियां, काजल और बरखा भी मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल हैं। इसके बाद काजल और बरखा फरार हो गईं थीं। 18 अक्टूबर को अदालत ने दोनों को भगोड़ा घोषित कर दिया। 29 जुलाई को पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रयास जारी रखते हुए विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने वांछित आरोपित बरखा को अमन विहार से गिरफ्तार कर लिया। एसीपी राज कुमार व इंस्पेक्टर शिव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बरखा को दबोच लिया। बरखा, ड्रग्स तस्कर सचिन की पत्नी है। वह अमन विहार, किराड़ी सुलेमान नगर की रहने वाली है। वह पूर्व में विवेक विहार थाने में दर्ज आबकारी अधिनियम के तहत चार मामलों में शामिल रही है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन 02 अगस्त को तिलोई में

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद स्तरीय ह्लसम्पूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में दिनांक 02 अगस्त 2025 को तिलोई तहसील में आयोजित होगा एवं गौरीगंज तहसील में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अमेठी तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता तथा मुसाफिरखाना तहसील में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुवेर्दी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा।

देह व्यापार के दलदल में फंसी कम उम्र की लड़कियां, इलाके की सच्चाई जान दंग रह गए अफसर

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में शकरपुर स्थित अग्रवाल धर्मशाला में बुधवार शाम को शकरपुर विकास परिषद व पुलिस ने संयुक्त रूप से जनता दरबार लगाया। बताया गया कि इसमें मुख्य रूप से एडिशनल डीसीपी विनीत कुमार, जोन चेयरमैन रामकिशोर शर्मा, एसीपी अशोक कुमार, थानाध्यक्ष कमल किशोर, समाजसेवी डा. सतवीर शर्मा मौजूद रहे। इस जनता दरबार में क्षेत्र में बढ़ रही झपटमारी, चोरी, अवैध पार्किंग की समस्या, पार्कों में बिक रहा नशीला पदार्थ का मुद्दा उठाया गया। दलदल में फंसी कम उम्र की लड़कियां वहीं, पुलिस को उस सच से रूबरू करवाया गया, जिसका सामना वारदात के बाद एक पीड़ित करता है। स्थानीय हरवीर ने पुलिस से कहा कि शकरपुर इलाके में बहुत सारे पीजी बने हुए हैं। दूसरे राज्यों के युवा यहां आकर रहते हैं। पीजी की आड़ में बहुत से लोग देहव्यापार का धंधा चला रहे हैं। कम उम्र की युवतियां इस दलदल में हैं। विशेष गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2023 में बदमाशों ने उनके घर में घुसकर उनकी पत्नी पर स्प्रे छिड़कर बेहोश कर दिया और घर से सामान लेकर चले गए। पुलिस बदमाशों को अब तक पकड़ नहीं सकी। मनी ठाकुर ने कहा कि बदमाश ने उनका पर्स लूट लिया था। उसमें आईफोन व काफी कीमती सामान था। उन्होंने इलाके में बदमाश को ढूंढा और पुलिस को सौंपा। एक साल बाद भी पुलिस सामान बरामद नहीं कर सकी। विकास मार्ग मार्केट के प्रधान राधे श्याम गुप्ता ने कहा कि डिवाइडर को कबाड़ियों ने घेरा हुआ है। अधिकतर नाबालिग हैं। उन्हें वहां से हटाना चाहिए। जोन चेयरमैन रामकिशोर शर्मा ने कहा कि रोहिंग्या क्षेत्र में चोरी व झपटमारी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। उपायुक्त विनीत कुमार ने इंस्पेक्टर वीएस नागर की ड्यूटी नियुक्त की वह इलाके के पार्कों में गश्त करेंगे और जो असामाजिक तत्व नशा करते मिलेगा। उसे जेल में बंद किया जाएगा।

डीएम ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कुएं में गिरे बकरी के बच्चे को बचाने उतरे दो सगे भाई, एक की मौत दूसरा गंभीर

कमरौली/ अमेठी(सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूरे छिटई मजरे सिंदुरवा गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। बकरी के बच्चे को बचाने के प्रयास में दो सगे भाई कुएं में उतर गए, जहां दम घुटने से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का अस्पताल मे इलाज चल रहा है, घटना बुधवार दोपहर की है।जहाँ बकरी का बच्चा अचानक कुएं में गिर गया। उसे बचाने के लिए फरहान खुद कुएं में उतर गया, लेकिन ऑक्सीजन की कमी या किसी जहरीली गैस के कारण वह भीतर ही बेहोश हो गया। यह देख बड़ा भाई 26 वर्षीय आमिर उसे बचाने के लिए कुएं में कूद पड़ा, लेकिन वह भी बेहोश हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दोनों भाइयों को मशक्कत के बाद कुएं से बाहर निकाला। उन्हें गंभीर हालत में सीएचसी जगदीशपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने आमिर को मृत घोषित कर दिया, जबकि फरहान का इलाज जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है, परिजन बेसुध हैं।

संग्रामपुर में खुले गड्ढे में गिरा सांड, ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर बचाई जान-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- संग्रामपुर-अमेठी मार्ग पर थाना गेट के समीप एक खुले गड्ढे में बुधवार लगभग 11 बजे सुबह एक सांड गिर गया। गड्ढा जलनिगम द्वारा करीब एक माह पूर्व पानी कनेक्शन के लिए खोदा गया था, जिसे अब तक भरा नहीं गया था। घटना की सूचना मिलते ही शुभम सिंह राठौर के नेतृत्व में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बांस-बल्लियों व रस्सियों की सहायता से रेस्क्यू अभियान चलाकर सांड को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान बृजेश मिश्र, सजनलाल कनौजिया, राजेश सिंह और अमन सहित कई स्थानीय लोगों ने अहम भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि जलनिगम ने एक दुकानदार को पानी कनेक्शन देने के लिए यह गड्ढा खुदवाया था, लेकिन न तो कनेक्शन दिया गया और न ही गड्ढे की भराई की गई। इससे लगातार राहगीरों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा खतरे में पड़ी हुई है। ग्रामीण शिवा सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह गड्ढा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। यदि समय रहते इसे नहीं भरा गया तो जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस मामले में जलनिगम के अवर अभियंता नीरज प्रजापति ने बताया कि संबंधित कार्यदाई संस्था को तत्काल गड्ढे की भराई कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस गड्ढे को भरवाया जाए, जिससे भविष्य में कोई अनहोनी न हो।

भाजपा के वादों की याद दिलाने लिए कांग्रेस पदयात्रा निकालेगी

सोनीपत। हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा द्वारा किए गए 20 सूत्रीय वायदों को लागू न किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने विरोध का बिगुल फूंक दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता तीन अगस्त से सोनीपत से चंडीगढ़ तक पदयात्रा निकालेंगे। यह यात्रा भाजपा पोल खोलो अभियान के तहत निकाली जाएगी, जिसमें सरकार के अधूरे वादों को लेकर जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। सोनीपत में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला पार्षद संजय बडवासनीय, रवि इंदौर, ऋतुराज, यशपाल बजाना, कृष्ण हुड्डा, गुलशन करेवाड़ी, विजय मोर, रामकरण मलिक व अमित कांग्रेसी नेता सहित अन्य वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले गरीबों को 100 गज के प्लॉट, महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 10 शहरों में औद्योगिक क्लस्टर और 5 लाख रोजगार देने जैसे वादे किए थे, जिनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ। इसके अलावा, कौशल निगम में लगे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय हटाया जा रहा है, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य, युवाओं को 2 लाख सरकारी नौकरियाँ, बुजुर्गों को ड्5 लाख और आमजन को ड्10 लाख तक का मुफ्त इलाज जैसी योजनाएं भी अधूरी पड़ी हैं। पुरानी पेंशन बहाली, आवास निर्माण व अग्निवीरों को नौकरी देने के वादे भी पूरे नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है, भ्रष्टाचार व महंगाई चरम पर है, और सरकार के विरोध में बोलने पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। 3 अगस्त को रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा अंबेडकर पार्क से इस रथयात्रा को रवाना करेंगे। यात्रा का समापन चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के साथ होगा।

गोहाना में भाजपा संगठनात्मक बैठक में मिली नई ऊर्जा, नई दिशा

सोनीपत। भाजपा ने गोहाना में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की, जिसमें प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता ने पार्टी कार्यकताओं को आगामी कार्ययोजनाओं के लिए मार्गदर्शन दिया। बैठक में संगठन को मजबूत करने और जनता की समस्याओं के समाधान की रणनीतियाँ साझा की गईं। गोहाना के सेक्टर-7 स्थित सामुदायिक केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन गुरुवार को किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की, जबकि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पार्टी की प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल मौजूद थीं। अपने संबोधन में डॉ. गुप्ता ने कहा कि मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष और बूथ पालक की स्पष्ट संरचना बनाई जाए ताकि संगठन जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी हो सके। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे जनमानस की समस्याओं को समझें और उन्हें कष्ट निवारण समिति के माध्यम से संबंधित मंत्रियों तक पहुँचाएं। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रमुख रूप से रजनी विरमानी, प्रदीप सांगवान, पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना, डॉ. धर्मवीर नांदल, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, बलराम कौशिक, महेंद्र चिड़ाना, जितेंद्र शर्मा, डॉ. रमेश कश्यप, भलेराम नरवाल, रीना शर्मा, सूरत सिंह, सूरजमल शर्मा, शेर सिंह बेडवाल सहित कई अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन की मजबूती और जनसंपर्क की दिशा में संकल्प लिया।

सुरक्षा चाक चौबंद, एचटेट परीक्षा में पारदर्शिता प्राथमिकता: सतीश शाहपुर

सोनीपत। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित एचटेट परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न करवाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रशासनिक और तकनीकी प्रबंध किए गए। बोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश शाहपुर ने मुरथल स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परीक्षार्थियों से संवाद किया। सोनीपत में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) का शांतिपूर्ण और पारदर्शिता से आयोजन हुआ। परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) के उपाध्यक्ष सतीश शाहपुर ने गुरुवार को मुरथल अड्डा स्थित पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया उपाध्यक्ष सतीश ने बताया कि परीक्षा को पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने हेतु प्रत्येक केन्द्र पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा हो रही है और बोर्ड मुख्यालय से लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से तलाशी और बॉयोमैट्रिक सत्यापन जैसी औपचारिकताएं भी सुनिश्चित की गईं। परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण वातावरण और बेहतर प्रबंधन की सराहना करते हुए उपाध्यक्ष ने सोनीपत प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के नेतृत्व में सरकार पारदर्शिता और विश्वसनीयता से परीक्षाएं संचालित कर रही है। इसी क्रम में एचटेट परीक्षा के लिए भी हर स्तर पर पुख्ता तैयारियां की गईं। उपाध्यक्ष ने बताया कि सभी केन्द्रों पर 220 उड़नदस्तों का गठन किया गया है, प्रत्येक केन्द्र पर बोर्ड प्रतिनिधि और जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर भी मौजूद रहे। परीक्षा केन्द्रों के पास फोटो स्टेट की सभी दुकानें बंद रहीं और धारा 163 प्रभावी रही। बोर्ड मुख्यालय पर स्थापित कंट्रोल रूम परीक्षा की हर गतिविधि की निगरानी कर रहा है। परीक्षार्थियों में परीक्षा को लेकर उत्साह देखा गया। उपाध्यक्ष ने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि परीक्षा की उत्तर कुंजी बोर्ड की वेबसाइट पर अगले 2-3 दिन में उपलब्ध करवा दी जाएगी और परीक्षा परिणाम अगस्त के अंतिम सप्ताह में घोषित किया जाएगा।

रोड़ रूल्स - लाइफ टूल्स सडक सुरक्षा अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

रेवाड़ी। सीजेएम व डीएलएसए सचिव अमित वर्मा के नेतृत्व में ह्यरोड़ रूल्स-लाइफ टूल्स विषय पर जिला में एक महीने से चला आ रहा सडक सुरक्षा जनजागरूकता अभियान आज चेतना रैली के साथ सम्पन्न हुआ। अभियान के समापन पर आयोजित हुई विशेष रैली को संबोधित करते हुए सीजेएम अमित वर्मा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य आमजन को सडक सुरक्षा नियमों, गुड समैरिटन कानून, मोटर व्हीकल एक्ट, सडक दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण प्रक्रिया, प्राथमिक उपचार एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। इस अभियान के दौरान जिले में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों तथा विधिक विशेषज्ञों की सहभागिता से पोस्टर प्रदर्शनी, सेमिनार और सडक सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों जैसे हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करना आदि के प्रति जागरूक किया गया। आज की रैली में पैनल अधिवक्ता, पैरा लीगल वालंटियर्स, एमडीडी ऑफ इंडिया और शक्ति वाहिनी जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही शांति देवी लॉ कॉलेज, सहारनवास तथा सिंघानिया यूनिवर्सिटी के विधि छात्र-छात्राओं की भी सक्रिय भागीदारी रही। सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सेफ ड्राइव, सेव लाइफ का संकल्प लिया और सडक सुरक्षा से संबंधित सूचना सामग्री का वितरण किया गया।

शहीद उद्यम सिंह बलिदान दिवस पर एक पेड़ मां पिता के नाम से लगाने का संकल्प लिया

महेंद्रगढ़। शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर एस एल जी अमन फाऊंडेशन भारत रजि .(ट्रस्ट) के कार्यालय नांगल सिरोही पर उनको कोटि-कोटि नमन करते हुए श्रदार्सुमन अर्पित किये,शहीद उद्यम सिंह बलिदान दिवस अवसर पर एक पेड़ मां पिता के नाम से लगाकर संकल्प लिया। कि पेड़ लगाने से हमारे जीवन में बड़ा महत्व है यही महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पेड़ पौधे से हमारे जीवन में शूद्ध आक्सीजन और वातावरण मिलता है हमें जीवन में अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए।इस अवसर पर सुन्दर लाल जोरासिया चैयरमैन एस एल जी अमन फाऊंडेशन भारत ने बताया कि जांबाज सरदार उधम सिंह जी का जन्म पंजाब के संगरूर जिले में हुआ था। इनके माता-पिता की मृत्यु छोटी उम्र में ही हो गई थी। इनकी प्रारंभिक शिक्षा गुरुद्वारे में हुई। बैसाखी वाले दिन जलिया वाले बाग में जनरल डायर ने जलियांवाला बाग मैं मीटिंग के दौरान दरवाजे पर तोप लगा दी और गोली चलवा दी। जिसमें लगभग 3000 लोग मारे गए कुछ कुएं में गिर कर मरे। उधम सिंह की उम्र उस समय बहुत ही कम थी लेकिन उन्होंने यह मंजर अपनी आंखों से देखा था तब उधमसिंह में इस नरसंहार का गौरों से बदला लेने की सोची थी ।उस समय सरदार भगत सिंह हथियार रखने के जुर्म में जेल में थे। उधम सिंह ने 1931 में वाया जर्मन होते हुए लंदन गए थे। उन्होंने एक होटल में काम

किया। उस समय इंग्लैंड में एक प्रोग्राम चल रहा था। उसी प्रोग्राम में जरनल डायर आये थे,उस प्रोग्राम में जाकर उधम सिंह ने किताब में छुपा कर रखी पिस्तोल से जनरल डायर को 3 गोली मारी, जलियांवाला बाग का बदला लिया।उनका 21 साल पुराना मंसूबा पूरा हुआ। 1931 में उधम सिंह को जेल में डाल दिया गया और फिर बाद में फांसी दे दी गई। उधम सिंह जी की अस्थियां पंजाब सरकार ने लाकर संगरूर जिले में रखी। आजादी के लिए लड़े और शहीद हो गए। बदला लिया लेकिन भूला दिया गया।सरकारें उन्हें याद नहीं करती। सबसे पहले बहन कु मायावती तत्कालीन मुख्यमंत्री ने साहब कांसीराम जो पंजाब से थे,उनसे प्रेरणा लेकर शहीदों के सम्मान दिवस में शहीद उधम सिंह नगर यूपी में जिला बनाया था जो अब यूपी से अलग होकर बने नये राज्य उत्तराखंड में आता है और उन्होंने ने इस महान क्रांतिकारी का जन्मदिन एक से लेकर 26 दिसंबर एक यादगार के रूप में मनाया गया था। ऐसे महान क्रांतिकारी शहीद उद्यम सिंह को आज सभी सरकारों ने 31 जुलाई को मनाने का प्रण लिया है।हम सब मिलकर उन्हें कोटी कोटी प्रणाम करते हैं, शहीद उद्यम सिंह ने अंतिम कहाः- "वो मेरे लोगों की भावनाओं को कुचलना चाहते थे, इसलिए मैंने उसे कुचल दिया। मुझे खुशी है कि मैंने देश के लिए अपना कर्तव्य पूरा किया! मुझे मृत्यु का डर नहीं है।मैं अपने देश के लिए फांसी पर चढूंगा ".! इस अवसर पर अंगूरी देवी,अतरसिंह यादव, भोजराज नेपाली, अमन गौतम,आयुष गौत्तम, सुखबीर,ताराचंद, सुदेश,सुभाष चौहान, शेर सिंह पंच,दाताराम, राजेश मेहरा,रवि, सतवीर सिंह, आर्यन और अनेक एस एल जी अमन फाऊंडेशन भारत के सदस्यों ने पौधा रोपण कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

क्रांतिकारी वीर उधम सिंह ने बदले की आग को 21 वर्षों तक जलायें रखा

रेवाड़ी। वीर भगत सिंह युवा दल के तत्वाधान में वीर ऊधम सिंह के शहीदी दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। नव प्रेरणा परिसर स्थित गणेशी लाल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के प्रदेश सचिव डॉ रामबाबू यादव व प्रधान दिनेश कपूर ने कहा कि 13 अप्रैल 1919 बैसाखी के दिन जलियांवाला बाग में भारतीयों की शांतिपूर्ण सभा हो रही थी। उस सभा में वीर उधम सिंह भी पानी पिलाने की सेवा कर रहे थे। जनरल डायर ने जलियांवाला बाग को चारों ओर से घेर कर निर्दोष निहत्थे भारतीयों पर गोली चलाने का आदेश दिया। इस गोली कांड में बड़ी संख्या में लोग

मारे गए।इस मार्मिक दृश्य के साक्षी रहते हुए वीर उधम सिंह ने प्रण लिया कि वह इस हत्याकांड का बदला जरूर लेंगे। जनरल डायर को पंजाब के गवर्नर मिचेल ओ डायर ने गोली कांड का आदेश दिया था। जलियांवाला बाग की घटना के 21 वर्ष बाद वीर उधम सिंह ने लंदन के कैक्शन हाल में मिचेल ओ डायर को मार कर मां भारती का मस्तक गौरवान्वित कर दिया। 31 जुलाई 1940 को हंसते-हंसते यह महान वीर देश के लिए शहीद हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नव प्रेरणा संस्था के प्रधान हरीश मलिक ने कहा कि आज उस वीर के शहीदी दिवस पर देश के युवा शपथ ले कि किसी तरह के नशे का सेवन नहीं करेंगे। अपने शरीर व मस्तिष्क को स्वस्थ रखते हुए भारत माता को विश्व गुरु के आसन पर सुशोभित करेंगे। आए हुए अतिथियों को को शहीद ए आजम भगत सिंह, भारत माता, चंद्रशेखर आजाद व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में मुख्यतः अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरज शर्मा जांगड़ा, सतीश भारद्वाज, हमारा परिवार के उप प्रधान हेमंत ग्रोवर, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज, हरबंस लाल खुराना, हिमांशु पिपलानी, पुलकित ग्रोवर व साथियों ने सहयोग किया।

ट्रैफिक पुलिस ने सर्विस लेन पर गड्ढों को भरवाकर ट्रैफिक किया सुचारू

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा, के कुशल मार्गदर्शन में कार्य करते हुए वीरवार को रेवाड़ी ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित बनीपुर चौक की सर्विस लेन पर बने गहरे गड्ढों को भरवाया गया। गौरतलब है कि वर्तमान में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बनीपुर चौक के पास पुल निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे हाईवे का यातायात सर्विस लेनों पर डायवर्ट किया हुआ है। बारिश के कारण दोनों ओर की सर्विस लेनों पर गहरे गड्ढे बन गए थे और उनमें पानी भरने से वाहन चालकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इससे जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रैफिक थाना प्रभारी निरीक्षक ताराचंद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों ओर की सर्विस लेनों पर बने गड्ढों को भरवाने का कार्य शुरू करवाया। तत्परता से किए गए इस कार्य के बाद यातायात पुनः सुचारू रूप से शुरू हो सका और लोगों ने राहत की सांस ली। रेवाड़ी ट्रैफिक पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को स्थानीय लोगों ने सराहा और रेवाड़ी पुलिस का आभार व्यक्त किया।

ऑनलाइन टास्क के नाम पर साइबर ठगी करने के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन टास्क के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 1.30 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला सीकर के गांव रतनपुरा की ढाणी नंदीवाली निवासी राजेश कुमार देगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांचकर्ता ने बताया कि मोहल्ला शिव कॉलोनी रेवाड़ी निवासी दीपक जैन ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत 17 अप्रैल को उसके पास व्हाट्सएप मैसेज आया था। मैसेज करने वाली ने खुद को एक कंपनी की एचआर स्पेशलिस्ट बताते हुए ऑनलाइन

टास्क से पैसा कमाने को कहा था। इसके बाद उसने उसके पास एक लिंक भेजा, जिस पर क्लिक करने के बाद उसने आईडी बना ली। शुरू में उसे टास्क के नाम पर 125 रुपये दिए गए। यह राशि आने के बाद उससे अलग-अलग यूपीआई आईडी पर तीन बार में 1.30 लाख ट्रांसफर करा लिए। जब उसने पैसा वापस पाने का प्रयास किया तो उससे और रुपये जमा कराने को कहा गया। इसके बाद उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त तीन आरोपी राजस्थान के जिला सीकर के गांव रतनपुरा की ढाणी सेरावतो निवासी अजय देगड़ा, मनीष कुमार व मध्यप्रदेश के जिला दतिया के मोहल्ला दालान का बास निवासी गणेश कुशवाहा को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जो इस मामले में पुलिस ने वीरवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी राजस्थान के जिला सीकर के गांव रतनपुरा की ढाणी नंदीवाली निवासी राजेश कुमार देगड़ा को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में आरोपी राजेश कुमार देगड़ा ने साइबर ठगों को खाता मुहैया कराने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

सोनीपत भाजपा कार्यालय में बनेगा 60 फुट ऊंचा बर्ड टॉवर आधारशिला रखी

सोनीपत। सोनीपत में पक्षियों के संरक्षण को लेकर एक सराहनीय पहल की गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने पक्षियों के लिए विशिष्ट बर्ड टॉवर का भूमि पूजन किया। यह टॉवर न केवल पक्षियों के सुरक्षित आवास का माध्यम बनेगा, बल्कि वातावरण संरक्षण की दिशा में भी एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करेगा। सोनीपत भाजपा कार्यालय परिसर में गुरुवार को पक्षियों के लिए बनाए जाने वाले बर्ड टॉवर का भूमि पूजन किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इसकी आधारशिला रखी। यह टॉवर 60 फुट ऊंचा होगा, जिसमें लगभग 720 पक्षी घर होंगे, जिनमें 3500 तक पक्षी रह सकेंगे। इस कार्यक्रम में विधायक निखिल मदन, मेयर राजीव जैन, जिला महामंत्री तरुण देवदास, नीरज कुमार ठरु, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री और एडवोकेट राहुल खत्री सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। मोहन लाल बड़ौली ने बताया कि यह विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात में पक्षी रैन बसेरे की प्रेरणा से उपजा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी पंचकूला में माता मनसा देवी गौशाला में बर्ड टॉवर की आधारशिला रखी थी। गुरुग्राम में भी ऐसे टॉवर बन चुके हैं। मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री ने बताया कि यह टॉवर प्री-फैब्रिकेटेड फाइबर से बनेगा, जिसे छह यूनिटों में बाँटा जाएगा। प्रत्येक यूनिट अलग रंग की होगी ताकि पक्षी आकर्षित हों। इसकी विशेषता यह होगी कि शिकारी पक्षी टॉवर पर नहीं आ सकेंगे। इसमें दाना-पानी की समुचित व्यवस्था होगी और मौसम का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। टॉवर निर्माण पर लगभग छह लाख रुपए खर्च होंगे, जो मोहन लाल बड़ौली अपने निजी अनुदान से देंगे। पक्षियों की घटती संख्या, रहने और प्रजनन की जटिलताओं को देखते हुए हरियाणा सरकार की पशु क्रूरता निवारण समिति ने यह पहल की है। इसके कमिश्नर विजय दहिया और नोडल अधिकारी डॉ. पुनीता हैं। इस अवसर पर सोनिया मोर, हरदीप कुमार, किशोर वशिष्ठ, डॉ. विवेक मिश्रा मंत्री किशोर वशिष्ठि, त्रिभुवन कौशिक, राजेश मुकीमपुर, सुनीता सवबींइ, कुलदीप वत्स, ईशा मिश्रा, सुरेंद्र मदान, राजकुमार शर्मा, आरती शर्मा, नरेश कुमार आदि शामिल रहे।

वाटर सप्लाई का वाल लीक होने से सड़क पर बह रहा हजारों लीटर पानी

हथीन: हथीन शहर की पेयजल आपूर्ति बेहतर बनाने और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग ने करोंड़ों रूपए के बजट से शहर के विभिन्न वार्डों में नई पाइप लाइन डालने का कार्य किया था। पाइप लाइन डालने के पश्चात जब रेनीवेल का स्वच्छ पेयजल की सप्लाई आरंभ की तो अनेक वार्डों में पानी का प्रेशर काफी कम था और आज भी कम है। शिकायतों के बावजूद भी पानी के प्रेशर को आज तक नहीं बढ़ाया गया। बिना मोटर के पानी घर की छत के ऊपर रखी पानी की टंकी तक नहीं पहुंच पाता। इसका समाधान तो आज

-नए वार्ड नंबर 7 और 13 में हो रही दूषित पेयजल की सप्लाई, बीमारियां फैलने का भय बना

तक नहीं किया गया बल्कि अभी से वाल लीक होने लगा है। जिससे एक तरफ जहां हजारों लीटर स्वच्छ पेयजल की बबार्दी हो रही है दूसरी ओर पानी का प्रेशर पहले से भी और कम हो गया है। इतना ही नहीं बल्कि जब वाटर सप्लाई शुरू होती है तो शुरूआत में गंदा पानी आता है। जिस गंदे पानी की समस्या का स्थाई समाधान करने की बजाय विभाग ने करोड़ों रुपए खर्च कर नई पाइप लाइन डालकर वाह वाही बटोरने का श्रेय अनेक वार्ड पार्षदों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर लेना शुरू कर दिया था। समाचारपत्र में आप जो फोटो देख रहे हैं वह हथीन के गहलब रोड स्थित पूर्व पार्षद गंगाराम की चक्की के पास का है। जिसमें आप स्पष्ट देख सकते हैं कि वाल लीक होने के कारण किस तरह हजारों लीटर पेयजल यूं ही सड़क पर बह रहा है। जबकि पुराने वार्ड नंबर 6 और 12 अब वार्ड नंबर 7 और 13 हैं में हो रहे इस पानी के सप्लाई का प्रेशर काफी कम आ रहा है। उक्त फोटो हमारे एक जागरूक पाठक ने भेजी है। उम्मीद है कि इस खबर को प्रकाशित होने पर संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि जोकि मूकदर्शक बने हुए हैं संज्ञान लेंगे और वाल लीकेज को ठीक कराने की जहमत उठाएंगे।

डीसी अभिषेक मीणा के नेतृत्व में पांच साइटों पर होगी मॉक ड्रिल सुरक्षा चक्र

-भूकंप एवं रसायन रिसाव की स्थिति से निपटने के लिए किया जाएगा पूर्वाभ्यास
-सुबह 9 से 12 बजे तक जारी रहेगी मॉक ड्रिल

रेवाड़ी। आपदा की स्थिति से निपटने के लिए डीसी अभिषेक मीणा के नेतृत्व में एक अगस्त को सुबह 9 से 12 बजे तक मॉक ड्रिल सुरक्षा चक्र का आयोजन किया जाएगा। इसमें एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य, आईटीबीपी, फायर ब्रिगेड, आपदा मित्र सहित सभी विभागों की टीमें भाग लेंगी। जिला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन कमेटी के चेयरमैन एवं डीसी अभिषेक मीणा बतौर रिस्पॉन्सिबल ऑफिसर मॉक ड्रिल पर निगरानी रखेंगे। एसपी हेमेंद्र मीणा भी इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। जिला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन अधिकारी प्रदीप देशवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्राकृतिक

विपदा, आपात या दुर्घटना की स्थिति में जान-माल की हानि कम से कम हो, इसके लिए हमारा सुरक्षा चक्र का मजबूत होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से शुक्रवार को यह पूर्वाभ्यास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक अगस्त को सुबह नौ बजे अमनगनी रेजिडेंशियल एरिया, आरपीएस स्कूल, पुष्पांजलि हॉस्पिटल, सेक्टर-19 स्थित डीईटीसी ऑफिस व बावल में कन्साई नेरोलेक कंपनी में यह मॉक ड्रिल करवाई जाएगी। इसमें नेरोलेक कंपनी में केमिकल रिसाव तथा बाकी चार स्थानों पर भूकंप पर आधारित मॉक ड्रिल होगी। डीआरओ प्रदीप देशवाल ने बताया कि लघु सचिवालय परिसर के पीछे हुडा मैदान को स्टेजिंग एरिया बनाया गया है। यहां मॉक ड्रिल में प्रयोग किए जाने वाले सभी वाहन, एंबुलेंस, सुरक्षा दस्ते, विभागीय टीमें तथा उपकरण तैनात रहेंगे। जैसे ही मॉक ड्रिल सेंटर से आपदा की घटना के बारे में सूचना आएगी, यहां से तुरंत सभी टीमों को डिजास्टर साइट पर भेजा जाएगा। लघु सचिवालय के सभागार में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि डीसी अभिषेक मीणा मॉक ड्रिल के आरओ होंगे तथा एडीसी राहुल मोदी इस पूर्वाभ्यास के दौरान सभी साइटों के ओवरऑल कमांडर के तौर पर स्थिति को संभालेंगे। रेवाड़ी के एसडीएम सुरेश दलाल को अमनगनी कॉम्प्लेक्स व आरपीएस स्कूल, कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव को डीईटीसी ऑफिस व पुष्पांजलि हॉस्पिटल तथा बावल के एसडीएम मनोज कुमार को नेरोलेक कंपनी की साइट का प्रभारी नियुक्त किया गया है। डीआरओ ने बताया कि मॉक ड्रिल में पुलिस, होम गार्ड, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, नेहरू युवा केंद्र व रेडक्रास सोसायटी के स्वयंसेवक, आपदा मित्र, स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ, फायर ब्रिगेड सहित अन्य विभागों की टीम भाग लेगी। सुबह नौ से बारह बजे तक तीन घंटे यह मॉक ड्रिल जारी रहेगी। इसके बाद केंद्रीय आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा विस्तार से एक-एक बिंदु को लेकर पूर्वाभ्यास की समीक्षा की जाएगी।

शुभमन गिल ने रचा नया इतिहास, टूटा सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी)। इंडिया और इंग्लैंड के बीच द ओवल में आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये रिकॉर्ड था बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। इंग्लैंड के खिलाफ 11 रन बनाते ही गिल ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया और वह भारत के नंबर-1 कप्तान बन गए हैं। बता दें कि, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 38 रन के स्कोर पर भारत को दो झटके लग गए।

जहां यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए शुभमन गिल पर काफी दबाव था। हालांकि, महज 11 रन बनाते ही उन्होंने बतौर कप्तान एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सुनील गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 मैचों की 9 पारियों में 91.50 की औसत के साथ 732 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक जड़े थे।

वहीं तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में रेड हॉट फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल ने अब तक इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक गिल 23 गेंदों पर 15 रन बना चुके हैं। उनके नाम अब इस सीरीज में 737 रन हो गए हैं।

फिलहाल, अब उनकी नजरें बतौर सर डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड पर हैं। जो कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। गिल अब ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 73 रन ही पीछे हैं।

महिला टी20 विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले नेपाल में होंगे : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के क्वालीफायर मैच नेपाल में रखे हैं। आईसीसी ने क्वालिफायर का पूरा कार्याक्रम भी जारी कर दिया है। क्वालीफायर मैचों की शुरुआत 12 जनवरी 2026 से होगी और ये 2 फरवरी 2026 तक खेले जाएंगे। 21 दिन के इस इवेंट में कुल 10 टीमें दो अलग-अलग जगह खेलेंगी। बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमों ने टी20 महिला कप 2024 में खेलकर पहले ही क्वालीफायर के लिए सीधे प्रवेश हासिल कर लिया है। वहीं थाईलैंड और नेपाल के अलावा यूएसए को भी प्रवेश मिल गया है। अब बची हुई 5 टीमों में से दो-दो टीमें अफ्रीका और यूरोप, जबकि एक टीम ईस्ट एशिया पैसेफिक से शामिल की जाएंगी।

आईसीसी महिला विश्व कप 2026 का क्वालीफायर इसलिए भी अहम होगा क्योंकि इसमें 10 टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। हर एक ग्रुप में 5 टीमें होगी। इसके बाद सुपर सिक्स स्टेज और फाइनल मैच खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का कार्यक्रम पहले ही घोषित कर दिया गया है, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स को मेजबानी मिली हैं। इस इवेंट की शुरुआत 12 जून से होनी है, जिसका फाइनल 5 जुलाई 2026 को खेला जाएगा।

यशस्वी जायसवाल की फॉर्म पर सवाल, शुरुआती चमक के बाद बल्ला पड़ा शांत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में संघर्ष करती नज़र आ रही है, और टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की फॉर्म भी चिंता का विषय बन गई है। सीरीज की शुरुआत में शानदार शतक लगाने वाले जायसवाल के बल्ले से अब रन निकलना बंद हो गया है। फ्लैट पिचों के बावजूद वे लगातार असफल हो रहे हैं, जिससे भारत की बल्लेबाज़ी लाइनअप पर दबाव बढ़ गया है।

पहला टेस्ट बना था उम्मीद की किरण

सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में जायसवाल ने शानदार 101 रन की पारी खेली थी, जिससे लगा कि वह पूरी सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ साबित होंगे। हालांकि, उसी मैच की दूसरी पारी में वह केवल 4 रन बनाकर आउट हो गए।

दूसरे टेस्ट में चमक, फिर निराशा

दूसरे टेस्ट में उन्होंने एक बार फिर 87 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन दूसरी पारी में सिर्फ 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद उनकी फॉर्म में गिरावट आनी शुरू हो गई।

तीसरे और चौथे टेस्ट में बल्ला पूरी तरह शांत

तीसरे टेस्ट में लॉर्ड्स के मैदान पर जायसवाल की पहली पारी में 13 रन और दूसरी पारी में शून्य पर आउट होना उनके खराब फॉर्म का संकेत था। चौथे टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 58 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में फिर शून्य पर आउट हो गए।

ओवल टेस्ट में फिर फ्लॉप

सीरीज के आखिरी यानी पांचवें टेस्ट की पहली पारी में जायसवाल महज 2 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे उनके प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

लंबी पारियों की कमी बनी चिंता

जायसवाल को एक ऐसा बल्लेबाज़ माना जाता है जो अगर क्रीज़ पर टिक जाएं तो बड़ी पारी खेल सकते हैं, लेकिन इस सीरीज में वह बार-बार शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी में न तो निरंतरता दिख रही है और न ही पहले जैसी गहराई।

भारत / इंग्लैंड पांचवें टेस्ट मैच: ओवल टेस्ट में बारिश की एंट्री, शुभमन- सुदर्शन की सधी शुरुआत

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच का पहला दिन रोमांचक तरीके से शुरू हुआ, लेकिन बारिश ने इस मुकाबले में खलल डाल दिया। ओवल के मैदान पर भारत की पारी 23 ओवर ही खेली जा सकी थी कि बारिश ने दस्तक दे दी। इसके चलते खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा और अंपायरों ने जल्दी लंच की घोषणा कर दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी मिलीजुली रही। पहले दो विकेट जल्दी गिरने के बावजूद युवा बल्लेबाज़ों ने मोर्चा संभाल लिया। भारत ने लंच तक 2 विकेट के नुकसान पर 72 रन बना लिए हैं। साई सुदर्शन 25 रन और शुभमन गिल 15 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं। दोनों बल्लेबाज़ों ने संयम से खेलते हुए टीम को स्थिरता दी।

तेज़ गेंदबाज़ों का असरदार प्रदर्शन

इंग्लैंड की ओर से तेज़ गेंदबाज़ों ने शुरुआत में दबाव बनाया और भारत के दोनों सलामी बल्लेबाज़ों को जल्दी पवेलियन भेजा। लेकिन इसके बाद गिल और सुदर्शन ने मोर्चा संभाला और भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि बारिश के कारण खेल रुक गया और लंच का समय घोषित कर दिया गया।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बारिश के बाद खेल कब दोबारा शुरू होता है और भारतीय बल्लेबाज़ किस तरह पारी को आगे बढ़ाते हैं। ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए मददगार मानी जाती है और अगर मौसम साफ रहा तो भारत बड़ा स्कोर खड़ा कर सकता है।

सीएएफए नेशंस कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को मिला न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम 31 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग लेगी। यह टूर्नामेंट एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के लिए अहम माना जा रहा है। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। मलेशिया के मना करने के बाद भारत को इसमें खेलने के लिए बुलाया गया है। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है। इसमें भारत भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं जिसमें अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसी टीमें हैं। इसमें ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से हराया था। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप से पहले अगस्त में श्रीलंका से सीरीज खेल सकती है भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर हैं। वहीं 9 सितंबर से एशिया कप का आयोजन शुरू होगा। ऐसे में एशिया कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की एक सीरीज खेल सकती है।

भारत का एशिया कप का पहला मैच 10 सितंबर को है जबकि दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को है। भारत को अगस्त में पहले बांग्लादेश टीम के साथ 3 एकदिवसीय और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी थी जो अब नहीं खेली जाएगी पर इसकी जगह भारतीय टीम श्रीलंका से एक सीरीज खेल सकती है हालांकि अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।। है। एक रिपोर्ट के अनुसार (बीसीसीआई) अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन इसलिए भी करना चाहता है ताकि एशिया कप से पहले टीम को लय में आने का अवसर मिल सके। ऐसे में श्रीलंका के साथ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज होने की उम्मीद बढ़ गयी हैं। इससे रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रशंसकों को अपने इन पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिल सकेगा।

एशिया कप में बुमराह के खेलने की संभावना नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एशिया कप नहीं खेल पाये। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के पास है पर इसका आयोजन तटस्थ स्थल के रुप में यूएई रखा गया है। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगस्त के मध्य में होने की संभावना है। चोपड़ा के अनुसार बुमराह की उपलब्धता एशिया कप के लिए पक्की नहीं है। उन्होंने कहा, बुमराह अगर उपलब्ध हैं तो मेरा मानना है कि उन्हें एशिया कप खेलना चाहिए। यह देखना होगा कि किस तरह की टीम चुनी जाती है पर यह पिछली बार चुनी गई टी20 टीम से बहुत अलग नहीं होगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी फिटनेस समस्याओं के कारण टूर्नामेंट के लिए शायद ही शामिल किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरा मानना है कि शमी इसमें शामिल नहीं होंगे, क्योंकि शमी को केवल उनकी फिटनेस परखने और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार करने के लिए ही आखिरी बार टी20 टीम में शामिल किया गया था। अब जबकि टीम तय हो गयी है और ऐसे में अगर वह टेस्ट मैचों में नहीं खेलते हैं, तो मेरा मानना है कि टी20 क्रिकेट भी नहीं खेलेंगे।

पाक और न्यूजीलैंड की टीमों को शायद ही ओलंपिक में प्रवेश मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें शायद ही आगामी 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल हो पायें। इस दोनो की टीमों को इसलिए जगह नहीं मिल सकती क्योंकि केवल 6-6 टीमों को ही भाग लेने की अनुमति मिली है। ऐसे में 128 साल के बाद ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी होने के बाद भी ये दोनो ही टीमें उसमें नहीं खेल पायेंगी। इसका कारण ये भी है कि लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में केवल 6-6 ही टीमें ही पुरुष और महिला वर्ग से भाग लेंगी। अभी तक आईसीसी और आईओसी की ओर से इसके लिए कोई प्रवेश प्रक्रिया घोषित नहीं की गयी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी ने क्वालीफिकेशन प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया था। इसमें न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीम को पुरुष वर्ग में शामिल नहीं किया था। रीजनल क्वालीफिकेशन के कारण न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को भी इसमें जगह नहीं मिली है।

आईसीसी ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी के मानकों के अनुरूप ही एक क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली अपनाई है। इसमें पांच महाद्वीपों - एशिया, ओशिनिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका शामिल हैं। इस प्रस्तावित प्रक्रिया के तहत, भारत (एशिया), ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया), ग्रेट ब्रिटेन (यूरोप) और दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) अपनी वर्तमान में टी20 रैंकिंग के आधार पर महाद्वीपीय प्रतिनिधि के रूप में क्वालीफाई करेंगे। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) को मेजबान के रूप में रखा गया है। छठी टीम वेस्टइंडीज की हो सकती है पर उसके लिए प्रक्रिया अलग होगी।

वहीं आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर कायम न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया से पीछे है, जो दूसरे स्थान पर है। ऐसे में अगर प्रवेश मौजूदा रैंकिंग के आधार पर मिलता है तो पाकिस्तान (आठवें स्थान) को एशिया से भारत पीछे छोड़ देगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों ने इस प्रस्तावित क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर नाराजगी जतायी है।

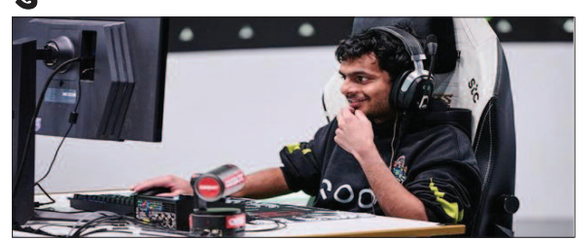

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में भारत के निहाल सरीन का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से

रियाद, सऊदी अरब। शतरंज को पहली बार ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का हिस्सा बनाया गया है और पहले ही संस्करण में भारत के दो युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन (टीम एस8यूएल) ने लगातार बेहतरीन दो मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है, जहाँ अब उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) से होगा। निहाल सरीन ने पहले नीदरलैंड्स के ग्रांडमास्टर अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के ग्रांडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को 1.5-0.5 से पराजित किया। निहाल ने इन दोनों मुकाबलों में एक भी बाजी नहीं गंवाई। भारत के ही एक और शीर्ष खिलाड़ी, ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) अब क्वार्टर फाइनल में रूस के ग्रांडमास्टर इयान नेपोमिनियाची (टीम ऑरोरा गेमिंग) से टकराएंगे।

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में – उज़्बेकिस्तान के ग्रांडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (टीम नावी) ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) से, अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) अर्मेनिया के ग्रांडमास्टर लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट) से खेलेंगे।

प्रत्येक बाजी का समय नियंत्रण 10 मिनट है और इसमें कोई वृद्धि नहीं दी गई है।

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 15 लाख अमेरिकी डॉलर है और खिलाड़ी अपनी-अपनी ई-स्पोर्ट्स टीमों के ज़रिए 2.7 करोड़ डॉलर की साझा पुरस्कार राशि के हिस्सेदार भी हैं। एक विशेष नियम के तहत हर मुकाबले के बाद विजेता खिलाड़ी, पराजित खिलाड़ी की फ्रचाबीफ्र मंच पर तोड़ता है।

भारत के सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्लयूएफ) की रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही 10वें नंबर पर आ गई है। सात्विक-चिराग को चाइना ओपन 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंचने का लाभ मिला है और इसी कारण उन्हें शीर्ष दस में जगह मिली है। चाइना ओपन में इस जोड़ी को मलेशिया के आरोन चिया और सो वूई यिक की जोड़ी ने 13-21, 17-21 से हराया था। इस सत्र ये उनका तीसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी अंतिम चार में पहुंचे थे। पिछला साल थाईलैंड ओपन जीतने के बाद इस भारतीय जोड़ी ने दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग भी हासिल की थी।

वहीं भारत के टॉप रैंक वाले सिंगल्स खिलाडी लक्ष्य सेन को भी ताजा रैंकिंग में दो स्थान का लाभ हुआ है और वह 17वें स्थान पर पहुंच गये हैं। उनके अब 54442 अंक हैं, जो चीन के झेनजियांग वांग से थोड़ा ही आगे हैं। वहीं वांग ने इस हफ्ते 5 स्थान की छलांग लगायी है। वहीं भार के एचएस प्रणॉय को भी दो स्थान का लाभ हुआ है और वह नंबर 33 पर पहुंच गये हैं। उनके अब 40336 अंक हो गए हैं। वहीं महिला एकल में भातर की उन्नति हूडा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई है। उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग हासिल की है। उन्नति ने पिछले सप्ताह पीवी सिंधु को 21-16, 19-21, 21-13 से हराकर सबको हैरान किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए कप्तान मिचेल मार्श की टीम में बल्लेबाज ट्रैविस हेड और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी शामिल किया है पर तेज गेंदबाज पैट कमिंस को इस सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। इस बार एकदिवसीय टीम में एक नए खिलाड़ी मिच ओवेन को भी जगह मिली है। ओवेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 14-14 सदस्यीय टीम टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए चुनी है। मिचेल मार्श दोनो ही प्रारुपों की कप्तानी संभालेंगे. 10 अगस्त से टी20 सीरीज खेली जाएगी जबकि 24 अगस्त को अंतिम एकदिवसीय के साथ ही ये सीमित ओवरों की सीरीज समाप्त होगी। इस टीम में ऑलराउंडर मैट शॉर्ट को भी जगह मिली है। ओवेन इस सीरीज से एकदिवसीय में पदार्पण कर सकते हैं। इसके अलावा सीन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी का भी टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी जारी रखेगी।

टी20 टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

अश्विन की रोमांचक भविष्यवाणी, कहा- ओवल टेस्ट में क्रिकेट की दुनिया को मिलेगा नया सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांचवीं और अंतिम टेस्ट सीरीज से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल की जमकर तारीफ की है। अश्विन ने कहा है कि बेथेल में वो सारी खूबियां हैं जो उसे भविष्य का सुपरस्टार बना सकती हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इस फाइनल टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे और जैकब बेथेल उनकी जगह टीम में शामिल होकर खेलेंगे। अश्विन ने इस युवा खिलाड़ी को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई हैं।

जैकब बेथेल को लेकर अश्विन की खास बात

अश्विन ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा कि ÷पांचवें टेस्ट में क्रिकेट की दुनिया को एक नया सुपरस्टार देखने को मिलेगा।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे कोई शक नहीं कि जैकब बेथेल सुपरस्टार बनेगा। वह सचमुच एक अलग तरह की प्रतिभा है।÷ अश्विन ने 21 वर्षीय इस खिलाड़ी की बल्लेबाजी और बाएं हाथ की गेंदबाजी दोनों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बेथेल बल्ले से शानदार खेलता है और गेंदबाजी में भी कमाल दिखाने वाला खिलाड़ी है।

इंग्लैंड की टीम और बेथेल का रोल

इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में फिलहाल 2-1 की बढ़त पर है। हालांकि अंतिम टेस्ट में मेजबान टीम की कोशिश होगी कि वे भारत के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा जमाएं। लेकिन बेन स्टोक्स के ना खेलने से इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में जैकब बेथेल की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। यह युवा खिलाड़ी कप्तान के रूप में अपनी योग्यता दिखाने का मौका पाने वाला है।

सीरीज की स्थिति और भारत की तैयारी

इस टेस्ट सीरीज की शुरुआत इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में 5 विकेट से जीत के साथ की थी। इसके बाद एजबेस्टन में भारत को 336 रनों से भारी हार का सामना करना पड़ा। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने फिर से बढ़त बनाई और चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। अब आखिरी टेस्ट ओवल में खेला जा रहा है, जहां भारत सीरीज को ड्रॉ कराने के लिए जी-तोड़ कोशिश करेगा।

भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल इस सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम के साथ हैं। हालांकि मैनचेस्टर टेस्ट में पंत के पैर में फ्रैक्चर हो गया था, इसलिए वे पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह एन. जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

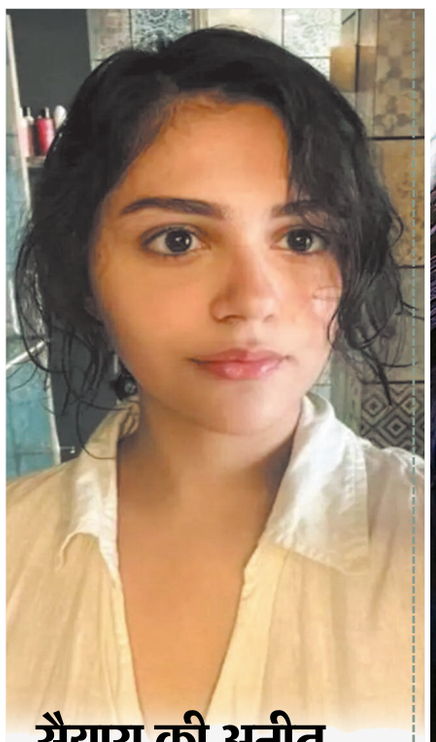

सैयारा की अनीत पड्डा को अब न्याय की तलाश? फातिमा सना शेख भी होंगी

अनीत पड्डा इन दिनों छाई हुई हैं। अपनी फिल्म सैयारा के साथ वो नेशनल क्रश बन चुकी हैं। अब उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर जोरशोर से चर्चा हो रही है। वो अब ओटीटी पर नजर आ सकती हैं। उनकी वेब सीरीज का नाम न्याय है, जिसकी शूटिंग वो पिछले साल कर चुकी थीं। मोहित सूरी की हालिया रिलीज सैयारा से अनीत पड्डा रातोंरात फेमस हो चुकी हैं। अब उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर नई खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि वो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कोर्टरूम ड्रामा वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग वो सैयारा से पहले ही कर चुकी थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अनीत पड्डा का यशराज फिल्म्स के साथ तीन फिल्मों को लेकर स्पेशल कॉन्ट्रैक्ट है। इसके बावजूद वो YRF से अलग एक प्रोजेक्ट न्याय में दिखेंगी, जिसकी शूटिंग वो पहले ही कर चुकी हैं।

फातिमा सना शेख के साथ अनीत पड्डा सच्ची घटनाओं पर आधारित न्याय में अनीत पड्डा के साथ फातिमा सना शेख और अर्जुन माथुर भी हैं। पिछले साल इसकी शूटिंग हो गई थी। अब ये जल्द ही जाने-माने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाला है।

न्याय में ये होगा अनीत पड्डा का किरदार अहान पांडे की सैयारा में अनीत ने वाणी बत्रा का किरदार निभाया, जो बहुत सौम्य लड़की है। दूसरी तरफ वो न्याय में 17 साल की लड़की का रोल निभा रही हैं, जो आध्यात्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न का शिकार होने के बाद न्याय की तलाश में है।

अनीत पड्डा की वेब सीरीज समीर नायर के अप्लॉज एंटरटेनमेंट और मंगता फिल्म्स द्वारा निर्मित न्याय का निर्देशन बार-बार देखो और मेड इन हेवन से फेमस हुईं नित्या मेहरा और उनके पति करण कपाड़िया ने किया है, जोकि फिल्ममेकर हैं। पिछले साल अमेजन प्राइम वीडियो पर आई सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई के बाद अनीत के साथ ये उनका दूसरा सहयोग है। इस शो में अर्जुन माथुर, मोहम्मद जीशान अय्यूब, रघुबीर यादव और राजेश शर्मा भी हैं।

ओटीटी पर मेकर्स रिस्क लेने को तैयार, कंटेंट पर भी हुआ काफी काम

डायना पेंटी की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ दिलजीत दोसांझ, बोमन ईरानी, चंकी पांडे, रत्ना पाठक शाह, सुमित व्यास और बनिता संधु भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। हाल ही में डायना ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों को लेकर खास बातचीत की।

यह फिल्म साइन करने के पीछे सबसे बड़ी वजह क्या थी?

इस फिल्म को साइन करने के पीछे कई कारण थे जैसे इसकी स्क्रिप्ट, मेरा करैक्टर डिटेक्टिव नताशा का काफी दमदार होने, जो एक स्पष्ट बोलने वाली और स्मार्ट इंसान है। इसके अलावा एक और बड़ी वजह है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स अली और हिमांशु हैं जिन्हें मैं पहले से जानती हूं और डायरेक्टर रवि जिन्हें हमेशा से पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए। वहीं इस फिल्म की बाकी पूरी कास्ट जैसे बोमन ईरानी सर, बनिता संधु, रत्ना पाठक शाह मैम और बाकी सब भी काफी अनुभवी और एक-दूसरे के लिए सहयोगी है। इस फिल्म में काम करने में सच में काफी मजा आया। इसके साथ सभी से कुछ न कुछ सीखने को भी मिला है।

आपके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

मेरी पहली ओटीटी वेब सीरीज पर काम चल रहा है, जो इस साल के अंत तक दर्शकों तक पहुंच जाएगी। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ भी मेरी एक फिल्म सेक्शन 84 आने वाली है, जिसकी रिलीज डेट का खुलासा जल्द ही किया जाएगा।

शूटिंग के दौरान सेट पर बिताया गया वक्त कैसा था?

मुझे फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत मजा आया। इसके अलावा शूटिंग की लोकेशंस (बुडापेस्ट) में भी मौसम काफी खुशनुमा था। जिसकी वजह से शूटिंग करने का आनंद दोगुना हो गया। हम सभी काफी बार शूट पूरा होने के बाद बुडापेस्ट के कई सारे नए होटलों में साथ खाना खाने जाते थे।

क्या आजकल फीमेल सेंट्रिक फिल्में और ओटीटी कंटेंट तेजी से बढ़ रहे हैं?

बिलकुल, यह ट्रेंड आगे भी जरूर बरकरार रहेगा और रहना चाहिए। इससे देश की कई टैलेंटेड फीमेल एक्टर्स को लीड रोल निभाने का मौका मिलेगा। हॉलीवुड में भी यही ट्रेंड है, तो हमारे यहां भी ऐसा होना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ओटीटी ने नए एक्टर्स, राइटर्स और डायरेक्टर्स के लिए बेहतरीन अवसर खोले हैं। यहां डायरेक्टर्स ज्यादा रिस्क लेने को तैयार होते हैं, जो थिएटर की फिल्मों में हमेशा संभव नहीं होता। ओटीटी पर फिल्ममेकर नए प्रयोग कर सकते हैं जो प्लेटफॉर्म को और भी रचनात्मक बनाता है। इसके अलावा ओटीटी के आने के बाद कंटेंट पर भी काफी काम शुरू हो गया है।

उर्मिला के किरदार में आएंगी नजर सुरभि दास

हाल ही में फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक जारी किया गया। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आए और साउथ एक्टर यश रावण के किरदार में दिखे। फिल्म में सीता माता की भूमिका में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी है। वहीं एक असमिया और टीवी एक्ट्रेस भी इस फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं।

असमिया एक्ट्रेस सुरभि दास फिल्म 'रामायण' में उर्मिला की भूमिका में दिखेंगी। उर्मिला माता सीता की बहन हैं। उर्मिला, प्रभु राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी भी हैं। फिल्म में उर्मिला का त्याग भी दिखाया जाएगा। लक्ष्मण का रोल फिल्म 'रामायण' में टीवी एक्टर रवि दुबे कर रहे हैं। इस तरह से सुरभि दास और रवि दुबे साथ अभिनय करते हुए नजर आएंगे। सुरभि एक असमिया एक्ट्रेस हैं। साथ ही वह एक हिंदी टीवी सीरियल 'नीमा डेन्जोंगपा' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह दादा तुमी दुस्तो बोर नाम की बंगाली फिल्म भी कर चुकी हैं। अब नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगी।

आयुष्मान खुराना की 'थामा' का हिस्सा बने वरुण

फिल्म 'थामा' में आयुष्मान खुराना एक वैंपायर के रोल में नजर आएंगे। फिल्म में हीरोइन के रोल में रश्मिका मंदाना हैं। अब वरुण धवन भी इस फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। यह फिल्म मैडॉक प्रोडक्शन की है। इससे पहले वह 'स्त्री 2' और 'भेड़िया' जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्में बना चुके हैं। 'स्त्री 2' में भेड़िए के किरदार में वरुण धवन ने कैमियो किया। इसी तरह वह फिल्म 'थामा' में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'थामा' में वरुण धवन नजर आएंगे। वह आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की इस फिल्म की शूटिंग लगभग 6 दिन कर चुके हैं। इस फिल्म में वह अपने भेड़िए वाले रोल में नजर आएंगे। जबकि फिल्म 'थामा' में आयुष्मान खुराना वैंपायर के रोल में दिखेंगे।

वीएफएक्स के जरिए वैंपायर-भेड़िए की टक्कर

फिल्म 'थामा' में वरुण धवन की एंट्री से दर्शकों को वैंपायर और भेड़िए की टक्कर देखने को मिलेगी। इस फिल्म में दर्शकों के सिनेमैटिक एक्सपीरियंस को बढ़ाने के लिए प्रोड्यूसर दिनेश विजन और डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार बड़े स्तर पर तैयारी कर चुके हैं। फिल्म में एक्शन सीक्वेंस वीएफएक्स के जरिए बड़े स्केल पर दिखाए जाएंगे। फिल्म के एक्शन सींस की शूटिंग मार्च या अप्रैल में हो चुकी है। फिल्म 'थामा' के अलावा मैडॉक हॉरर कॉमेडी सिनेमैटिक यूनिवर्स की और फिल्में भी रिलीज होंगी।

सात समंदर पार से आईं एली अवराम, जिन्होंने हिम्मत के बूते सपने किए साकार

एली अवराम हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनकी खूबसूरती, नृत्य कौशल, और दिलकश अदायगी ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' और टीवी शो 'बिग बॉस' ने अभिनेत्री को फेम दिलाया। कुछ फिल्मों में काम भी किया जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाईं लेकिन दर्शकों के दिल में घर कर गईं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं एली अवराम को बचपन से ही डांस और एक्टिंग में रुचि थी। उन्हें स्वीडिश-ग्रीक अभिनेत्री भी कहा जाता है। एली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थीं तो शाहरुख खान की देवदास देखी। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने टूरिस्ट वीजा के लिए अप्लाई किया, मुंबई आईं, और हिंदी न जानते हुए भी अपने सपने को हकीकत में बदला। हिंदी सीखने के लिए कड़ी मेहनत भी की। 10 साल से ज्यादा का सफर हिंदी सिनेमा में तय करने के बाद, आज अभिनेत्री बहुत अच्छी हिंदी बोलती है।

एली जब बॉलीवुड में आईं तो उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ से भी की गई।झ अभिनेत्री ने एक्टर मनीष पॉल के साथ फिल्म मिकी वायरस से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। साल 2013 में बिग बॉस 7 में हिस्सा लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी सादगी और सलमान खान के साथ दोस्ताना बॉन्ड ने उन्हें चर्चा में ला दिया। कुछ समय तक उनके और सलमान के बीच लिंकअप की अफवाहें भी उड़ीं, जिन्हें एली ने हंसकर टाल दिया। शो के दौरान कई बार सलमान उनके साथ मजाकिए अंदाज में भी दिखे, जो दर्शकों के साथ ही साथ शो की टीआरपी के लिए भी काफी सफल माना गया। एली अभिनेत्री होने के अलावा एक प्रशिक्षित बेली डांसर हैं, और ये सिलसिला वर्षों से जारी है। 17 साल की उम्र में वे स्टॉकहोम में परदेसी डांस ग्रुप की सदस्य बनीं, जहां वे बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करती थीं। उन्होंने किस किसको प्यार करूं और पोस्टर बॉयज जैसे गानों में अपने डांस का जादू दिखाया। अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी की तस्वीरों ने हाल ही में डेटिंग की अफवाहें उड़ाईं। लेकिन, बाद में खुलासा हुआ कि यह उनके म्यूजिक वीडियो के लिए बस प्रमोशन का हिस्सा था।एली अवराम की मेहनत, प्रतिभा, और बॉलीवुड के प्रति उनका जुनून उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है।

दमदार, खूबसूरत और बोल्ड, नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से आई हुमा

महारानी की रानी भारती का जिक्र करते ही फिल्म इंडस्ट्री की दमदार, शानदार, खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का चेहरा सामने आ जाता है। 28 जुलाई को जन्मीं नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली एक्ट्रेस ने अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर न केवल बॉलीवुड, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी खास छाप छोड़ी। अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर से डेब्यू करने वाली हुमा ने अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया। एक्टिंग शैली और बेबाक अंदाज ने उन्हें इंडस्ट्री की महारानी बना दिया।

नई दिल्ली में 28 जुलाई 1986 को एक मुस्लिम परिवार में जन्मीं हुमा के पिता सलीम कुरैशी दिल्ली में मशहूर रेस्तरां के मालिक हैं, जबकि उनकी मां अमीना कुरैशी हाउस वाइफ हैं। हुमा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दौरान वह एक्ट 1 थिएटर ग्रुप से जुड़ीं और एनके शर्मा जैसे थिएटर निर्देशकों के साथ काम किया। साल 2008 में वह मुंबई आईं और विज्ञापन में काम करने लगीं। करियर के शुरुआती दिनों में हुमा, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ भी विज्ञापन में काम कर चुकी हैं। उनकी अदाकारी ने अनुराग कश्यप का ध्यान खींचा, जिन्होंने उन्हें साल 2012 में आई गैंग्स ऑफ वासेपुर में मोहसिना खान के किरदार के लिए चुना। इस फिल्म ने उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए फिल्मफेयर नॉमिनेशन दिलाया। गैंग्स ऑफ वासेपुर की सफलता के बाद हुमा के फिल्मी करियर ने उड़ान भरी और उन्होंने कुणाल कपूर के साथ लव शव ते चिकन खुराना में पंजाबी लड़की हरमन के रूप में दर्शकों को लुभाया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में असफल रही। हालांकि, उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया। इसके बाद हुमा एक थी डायन, डेढ़ इश्किया, बदलापुर और जॉली एलएलबी 2 में दमदार अंदाज में नजर आईं, उन्होंने अपने किरदारों से मल्टी टैलेंट को साबित किया। हुमा बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। वह मराठी फिल्म हाइवे, तमिल फिल्म काला और हॉलीवुड फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। महारानी और लीला जैसी वेब सीरीज में उनके अभिनय को खूब सराहना मिली। साल 2023 में तरला में मशहूर शेफ तरला दलाल की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। उनकी अपकमिंग फिल्मों में जॉली एलएलबी 3, बयान और पूजा मेरी जान शामिल हैं।

हुमा की निजी जिंदगी अक्सर चर्चा में रही है। उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ा। एक इंटरव्यू में हुमा ने कहा कि उन्होंने मुस्लिम होने के बावजूद भारत में कभी अलग-थलग महसूस नहीं किया। वह अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करती हैं। हुमा लेखनी में भी रुचि रखती हैं। उन्होंने साल 2023 में अपनी पहली किताब जेबा- एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो लॉन्च की, जिसे कई लिटरेचर फेस्टिवल में सराहना मिली। हुमा को तीन फिल्मफेयर नॉमिनेशन और एक फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड मिल चुका है। उनकी फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हुमा सोशल वर्क में भी सक्रिय हैं और कई एनजीओ के साथ काम करती हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।